RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 चूक गई शैफाली शाह....

वर्ष : 25 अंक : 328 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 24 नवंबर, 2023 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

सुरंग में 14 मीटर दूर 41 जिंदगियां

उत्तरकाशी टनल हादसा

टनल में फिर शुरू की गई ड्रिलिंग

मजदूरों को निकालने का किया गया मॉक ड्रिल

आज शाम तक बाहर आ सकते हैं मजदूर!

उत्तरकाशी (एजेंसी)। चारधाम ऑलवेदर परियोजना की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों की जिंदगी बचाने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। आज शाम तक मजदूरों को बाहर निकालने को लेकर अच्छी खबर आ सकती है। सुरंग में रोके गए ड्रिलिंग के काम को सुबह 11.00 बजे के बाद फिर शुरू कर दिया गया तथा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए बचाव दल ने मॉकड्रिल भी किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज फिर सुबह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर बचाव कार्य के बारे में जानकारी ली और कुछ विशेष दिशा निर्देश भी दिए।

इन श्रमिकों को सुरंग के अंदर फंसे हुए 300 घंटे से अधिक का समय हो गया। आज उम्मीद बनी है कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए सभी तरह की तैयारियां की गई है। वहीं अस्पताल और डॉक्टर्स भी अलर्ट पर हैं। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) सिल्कयारा सुरंग स्थल पर पहुंचे। यहां टनल में फंसे हुए श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने बचाव कार्य का निरीक्षण किया। पूर्व पीएमओ सलाहकार भास्कर खुल्बे का कहना है कि अगले 5 मीटर में कोई धातु अवरोध नहीं है। सिल्क्यारा सुरंग में फंसे श्रमिक जल्द सुरक्षित बाहर आएंगे। रात 9.00 बजे तक अच्छी खबर संभव है।

मंगाए दो एडवांस ड्रोन

बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) ने बेंगलुरु से दो एडवांस ड्रोन मंगाए हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

अस्पताल तैयार

आज रात 9 बजे तक उम्मीद बनी है कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाला जा सकेगा।

सिलक्यारा क्षेत्र में एम्बुलेस भी तैनात हैं। एयरलिफ्ट कर एम्स लेकर जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी की गई है। जब श्रमिकों को सुरंग से निकाला जाएगा तो उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ पहुंचाने के लिए सिलक्यारा से लेकर चिन्यालीसौड़ के बीच ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा।

यूपी में हॉट कुक्ड मील योजना शुरू

मुख्यमंत्री ने किया 35 जिलों के 3.401 आंगनबाडी केन्द्रों का शिलान्यास

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या के लिए हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर हुए कार्यक्रम में उन्होंने

से आंगनबाडी केन्द्रों पर पंजीकृत 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म पका भोजन उपलब्ध कराने अपने हाथ से बच्चों को परोसकर खाना खिलाया। यूपी के 35 जनपदों में 3,401 आंगनबाड़ी केंद्रों पर यह योजना चलाई जाएगी। 403 करोड़ की लागत से इस योजना के तहत बच्चों को गर्म पका हुआ खाना उपलब्ध कराया जाएगा।

हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा आधार मजबूत हो...यह केवल महिला व बाल विकास विभाग की ही जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए।

बेसिक शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग और नगर विकास विभाग एक साथ मिलकर कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं तो उसके बेहतर परिणाम भी हम सबके सामने आएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में महिला स्वयंसेवी समूह के माध्यम से जगह-जगह पोषाहार के हर विकासखंडों में प्लांट स्थापित किए गए हैं। इसके माध्यम से आज एक नई योजना प्रारंभ की गई है।

पहली बार प्रदेश में हो रहा है कि 03 से 06 आयु वर्ग तक के बच्चों को, जिनमें 80 लाख बच्चे पंजीकृत हैं, उन्हें गर्म पका भोजन उपलब्ध कराने के लिए (शेष पृष्ठ-4 पर)

खेत में जुताई के दौरान हुए बवाल में चार दबंग गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी के कैमराला गांव में खेत की जुताई के दौरान दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष के बाद गांव में अभी भी तनाव बना हुआ है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को हथियार सहित गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि गुरुवार को अशोक, सतेन्द्र व बिजेंद्र पुत्र चतर सिंह निवासी ग्राम कैमराला द्वारा खेतों की जुताई की जा रही थी। इस दौरान संजय, वीरसिंह, राजू व 15 अज्ञात व्यक्ति मौके पर पहुंचे और खेत जुताई का काम रुकवा दिया। अशोक आदि ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे सरिया आदि से मारपीट शुरू कर दी। दोनों पक्षों की तरफ से जमकर लाठी डंडे चले और फायरिंग की गई जिससे गांव में भगदड़ मच गई। इस मामले में उप निरीक्षक यशपाल शर्मा की शिकायत पर दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। (शेष-4 पर)

ग्रीन बेल्ट में पेड़ से लटका मिला शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छपरौली गांव से लापता हुए एक व्यक्ति का शव ग्रीन बेल्ट में पेड़ से लटका हुआ मिला है। पुलिस आशंका जता रही है कि युवक ने आत्महत्या की है।

थाना एक्सप्रेस-वे की प्रभारी सरिता मलिक ने बताया कि गुरुवार को सूचना मिली कि सेक्टर-168 की ग्रीन बेल्ट में पेड़ पर एक व्यक्ति का शव लटका हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवा कर उसकी शिनाख्त कराई मृतक की पहचान प्रेमपाल पुत्र समन सिंह के रूप में हुई। प्रेमपाल मूल रूप से अमरोहा का रहने वाला था और हाल में छपरौली गांव में अपने पत्नी व बच्चों के साथ रह रहा था। तीन दिन पूर्व प्रेमपाल अपने घर से लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि प्रेमपाल पिछले काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। 1 वर्ष पूर्व भी वह परिजनों को बिना बताए घर से चला गया था।

प्रोजेक्ट मैनेजर ने बिठाया कंपनी का बट्टा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 में एक कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी व गबन करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रोजेक्ट मैनेजर में लेबर पेमेंट व मटेरियल मंगवाने के लिए दी गई धनराशि को हड़पने का आरोप है।

सेक्टर-63 स्थित मैसेज हाई क्रिएशन इंटीरियर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की एचआर शायबा सैयद ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 3 मार्च 2022 को कंपनी में योगेंद्र राणा निवासी ग्राम छज्जूपुर गाजियाबाद

लेबर व मैटेरियल पेमेंट का गबन

को प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर ज्वाइन किया था। कंपनी द्वारा योगेंद्र राणा को नोएडा में प्रोजेक्ट करने का कार्य दिया गया। कंपनी द्वारा योगेंद्र राणा को दी गई पेमेंट को उसने हड़प लिया और अपने व्यक्तिगत खर्चों में उपयोग किया।

शायबा सैयद का आरोप है कि योगेंद्र राणा को कंपनी द्वारा उसके खाते में 7 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए तथा नगद धनराशि भी दी गई। योगेंद्र राणा ने कंपनी के ग्राहकों को बहला फुसलाकर और लालच देकर कंपनी से अलग उनका कार्य किया। जिस कारण कंपनी को नुकसान उठाना पड़ा। उसके लापरवाही के कारण कंपनी की कई (शेष पृष्ठ-4 पर)

ई-रिक्शा चालक से लूटी दो बैटरी, मोबाइल लूटकर भागे बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस क्षेत्र में बदमाशों ने ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट कर ई रिक्शा की दो बैटरी लूट ली। एक अन्य घटना में बाइक सवार बदमाश एक व्यक्ति का मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। बैटरी लूट की घटना को पुलिस ने एक माह बाद दर्ज किया है।

सेक्टर 83 स्थित नयागांव निवासी दीपक बैसला ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसके ई-रिक्शा का ड्राइवर रियाज मोहम्मद बीते 24 अक्टूबर की रात्रि को ई रिक्शा लेकर सेक्टर-128 स्थित अपने घर जा रहा था। जेपी रोड पर कुछ अज्ञात लोगों ने ई-रिक्शा को रुकवा लिया। बदमाशों ने रियाज मोहम्मद के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान रियाज मोहम्मद बेहोश हो गया कुछ देर बाद जब उसे होश आया तो ई-रिक्शा की दो बैटरियां गायब थी। उसने इसकी सूचना पुलिस को दी।

ग्राम इलाहाबास में रहने वाले गौरव कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर 83 की एक कंपनी में कार्यरत है। 21 नवंबर की रात्रि को है ड्यूटी खत्म कर पैदल अपने कमरे की तरफ जा रहा था। हौजरी कंपलेक्स स्थित मदरसन कंपनी के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे रोक लिया और मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

बेटी का अपहरण, 1 माह बाद दर्ज की एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 39 में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के लापता होने पर अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पीड़ित में चार लोगों पर अपनी बेटी के अपहरण का शक जताया गया है। पीड़ित द्वारा पुलिस कमिश्नर के यहां गुहार लगाने पर करीब एक माह बाद यह मामला दर्ज हुआ है

सदरपुर में रहने वाले रमेश प्रसाद (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट बताया कि उसकी बेटी 25 अक्टूबर की सुबह घर से कम पर जाने के लिए निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उसने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चल पाया।

रमेश ने शक जताया है कि फरीदाबाद (हरियाणा) निवासी विकास, संजय, मनी पुत्र रनवीर ने उसकी बेटी का अपहरण किया है। रमेश के मुताबिक विकास ने 10 मई को उसकी बेटी के साथ मारपीट व बदसलूकी करते हुए कपड़े आदि फाड़ दिए थे। इस घटना के बाद उसने थाना सेक्टर 39 में उसके खिलाफ लिखित शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने उसके रिपोर्ट दर्ज नहीं की। रमेश ने शक जाता है कि आरोपियों ने उसकी बेटी को जबरन हथियारों के बल पर अपराध कर भयभीत करके रखा हुआ है। उसने अपनी बेटी व परिवार को आरोपियों से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार भी लगाई है।

एनईए के पदाधिकारियों ने ग्रहण की पद एवं कर्त्तव्यनिष्ठा की शपथ

2 नवंबर को हुए चुनाव में चौ. राजकुमार पैनल ने दर्ज की थी ऐतिहासिक जीत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम ने आज नोएडा प्राधिकरण की कर्मचारी यूनियन नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन (एनईए) के सभी जीते हुए पदाधिकारियों को पद एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ ग्रहण कराई।

सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में एसीओ ने एनईए अध्यक्ष चौधरी राजकुमार, महामंत्री जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, वीरपाल, सचिव अमित कुमार व नीरज राणा तथा कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र को शपथ ग्रहण कराई। इस पैनल ने 2 नवंबर को हुए चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी

इस अवसर पर एसीईओ सतीश पाल, संजीव खत्री, वंदना त्रिपाठी, ओएसडी अशोक कुमार, महेंद्र सिंह, डीजीएम (सिविल) श्रीपाल भाटी, आरपी सिंह, डीजीएम एसपी सिंह, जन स्वास्थ्य विभाग खंड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक विजय रावल, खंड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल समेत कई अधिकारी तथा नोएडा प्राधिकरण के सैकड़ो कर्मचारी मौजूद थे।

मेट्रो स्टेशन से आई फोन चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। मेट्रो स्टेशनों पर सक्रिय चोर लोगों की जेबों को साफ कर रहे

हैं। आए दिन मेट्रो स्टेशनों पर मोबाइल चोरी की घटनाएं हो रही है बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने एक व्यक्ति की जेब से दो आईफोन मोबाइल चोरी कर लिये।

सेक्टर 44 कार्तिक कुंज निवासी सिद्धार्थ सिंह ने थाना सेक्टर 39 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई दिल्ली जाने के लिए बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पहुंचा था। मेट्रो ट्रेन में चढ़ने के दौरान अज्ञात चोर ने उसकी जेब से दो आईफोन मोबाइल चोरी कर लिए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

यूपी पुलिस के कांस्टेबल सहित 5 की बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। वाहन चोर आए दिन लाखों रुपए के वाहनों पर हाथ साफ कर पुलिस गश्त के दावों की कलई खोल रहे हैं। अलग-अलग स्थान से वाहन चोरों ने पुलिस कांस्टेबल सहित 6 लोगों के वाहनों पर हाथ साफ कर दिया।

कोतवाली नगर गाजियाबाद की कैला भट्टा चौकी पर तैनात कांस्टेबल कृष्ण कुमार ने थाना बादलपुर में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कांस्टेबल ने बताया कि वह बीते 2 वर्षों से शकुंतला एनक्लेव गिरधरपुर में किराए पर रह रहा है। 21 नवंबर की रात्रि को वह अपनी रात्रि ड्यूटी खत्म कर घर आया था घर आने के बाद वह अपने कमरे में जाकर सो गया। शाम के समय जब वह ड्यूटी पर जाने के लिए तैयार होकर कमरे से बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी।

थाना दादरी में ग्राम दौला रजपुरा निवासी अली हसन ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बीते 12 नवंबर को रजापुर स्टेशन होते हुए भंगेल जा रहा था। श्मशान घाट के पास वह अपनी बाइक खड़ी कर खेत में फ्रेश होने के लिए चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस हो आया तो उसकी बाइक गायब थी।

इसी थाना क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के बाहर से तुलसी विहार निवासी विपिन कुमार की बाइक चोरी हो गई। विपिन कुमार किसी कार्य से बैंक आया था और उसने अपनी बाइक बाहर खड़ी कर दी थी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ट्रेनों पर भार

बीते हफ्ते रेल यात्रियों की सुविधा से जुड़ी एक बड़ी खबर मीडिया में छा गई। किसी ने एजेंसी के हवाले से तो कई ने रेल मंत्रालय के अपने 'करीबी सूत्रों' के हवाले से खबर चलाई। खबर में बताया गया कि रेलवे ऐसा प्लान बना रहा है कि चार-पांच साल में वेटिंग टिकट की समस्या खत्म हो जाएगी। यह खबर रेल मंत्री के एक बयान का मतलब निकालते हुए प्रसारित की गई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना था कि चार-पांच साल में रेलवे की क्षमता 1000 करोड़ यात्रियों को सफर कराने लायक बनानी होगी और इसके लिए 3000 अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत होगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो 2015-16 से 2021-22 के बीच रेलवे में कुल 2132 नए लोकोमोटिव्स (इंजन) ही बन पाए हैं। कुल रेल कोचों की संख्या भी एक साल में 5000 ही बढ़ पाई है। अगर इंजन और कोच बनने की यही रफ्तार रही तो चार-पांच साल में 3000 नई ट्रेनें किसी सूरत में नहीं चल सकतीं। प्लान कितना व्यावहारिक है, यह आगे दिए गए और आंकड़ों से समझा जा सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कहते हैं कि उनका प्लान चार-पांच साल में 3000 नई गाड़ियां चलाने का है। पर बीते 35 सालों में लोकोमोटिव्स की संख्या किस रफ्तार से बढ़ी है, उस पर नजर डालें तो सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि चार-पांच साल में 3000 नई गाड़ियां चलाना व्यावहारिक रूप से संभव हो सकता है या नहीं? नई गाड़ियों के लिए पटरी भी होनी चाहिए। भारत में 1980-81 में कुल 75,860 किलोमीटर लंबा रनिंग रेल ट्रैक (यार्ड, क्रॉसिंग आदि छोड़कर) था। 2016-17 में यह 93,902 किलोमीटर हुआ और 2021-22 में 1,02,831 किलोमीटर पर पहुंचा। इस हिसाब से पांच साल (2016-17 से 2021-22) में केवल 8,929 किलोमीटर का विस्तार हुआ (नीचे टेबल देखें)। अगर आगे भी पटरी बिछाने की औसत रफ्तार यही मान ली जाए तो भी 3000 नई गाड़ियों के लिहाज से यह काफी नहीं होगा। 2017 में 14 सितंबर को भारत और जापान के प्रधानमंत्रियों ने मुंबई और अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की परियोजना का शिलान्यास किया था। पीआईबी के मुताबिक, इसे दिसंबर 2023 तक पूरा करना है। लेकिन, जून 2023 तक जमीन अधिग्रहण का पूरा काम भी नहीं हो पाया था। अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि 430.45 हेक्टेयर में से जून 2023 तक 429.53 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत हुई है। 15 अगस्त, 2021 को लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी आने वाले 75 सप्ताह (यानि करीब डेढ़ साल) के भीतर 75 वंदे भारत ट्रेनें देश के हर कोने को आपस में जोड़ेंगी। लेकिन 24 सितंबर, 2023 तक 34 वंदे भारत ट्रेनें ही चलाई जा सकी हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि पक्षी कूजते (मीठी बोली बोलते) हैं, भाँति-भाँति के पशुओं के समूह वन में निर्भय विचरते और आनंद करते हैं। शीतल, मन्द, सुगंधित पवन चलता रहता है। भौंरे पुष्पों का रस लेकर चलते हुए गुंजार करते जाते हैं। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

लता बिटप मागें मधु चवहीं। मनभावतो धेनु पय स्रवहीं॥
ससि संपन्न सदा रह धरनी। त्रेताँ भइ कृतजुग कै करनी॥
बेलें और वृक्ष माँगने से ही मधु (मकरन्द) टपका देते हैं। गायें मनचाहा दूध देती हैं। धरती सदा खेती से भरी रहती है। त्रेता में सत्ययुग की करनी (स्थिति) हो गई॥

प्रगटीं गिरिन्ह बिबिधि मनि खानी। जगदातमा भूप जग जानी॥
सरिता सकल बहहिं बर बारी। सीतल अमल स्वाद सुखकारी॥
समस्त जगत के आत्मा भगवान को जगत का राजा जानकर पर्वतों ने अनेक प्रकार की मणियों की खानें प्रकट कर दीं। सब नदियाँ श्रेष्ठ, शीतल, निर्मल और सुखप्रद स्वादिष्ट जल बहाने लगीं॥।

सागर निज मरजादाँ रहहीं। डारहिं रत्न तटन्हि नर लहहीं॥
सरसिज संकुल सकल तड़ागा। अति प्रसन्न दस दिसा बिभागा॥
समुद्र अपनी मर्यादा में रहते हैं। वे लहरों द्वारा किनारों पर रत्न डाल देते हैं, जिन्हें मनुष्य पा जाते हैं। सब तालाब कमलों से परिपूर्ण हैं। दसों दिशाओं के विभाग (अर्थात सभी प्रदेश) अत्यंत प्रसन्न हैं॥

दो0- बिधु महि पूर मयूखन्हि रबि तप जेतनेहि काज।
मागें बारिद देहिं जल रामचंद्र कें राज॥
श्री रामचंद्रजी के राज्य में चंद्रमा अपनी (अमृतमयी) किरणों से पृथ्वी को पूर्ण कर देते हैं। सूर्य उतना ही तपते हैं, जितने की आवश्यकता होती है और मेघ माँगने से (जब जहाँ जितना चाहिए उतना ही) जल देते हैं॥

कोटिन्ह बाजिमेध प्रभु कीन्हे। दान अनेक द्विजन्ह कहँ दीन्हे॥
श्रुति पथ पालक धर्म धुरंधर। गुनातीत अरु भोग पुरंदर॥
प्रभु श्री रामजी ने करोड़ों अश्वमेध यज्ञ किए और ब्राह्मणों को अनेकों दान दिए। श्री रामचंद्रजी वेदमार्ग के पालने वाले, धर्म की धुरी को धारण करने वाले, (प्रकृतिजन्य सत्व, रज और तम) तीनों गुणों से अतीत और भोगों (ऐश्वर्य) में इन्द्र के समान हैं॥ (क्रमशः...)

अगले साल लोकसभा चुनावों से पहले यूपी में दो और बड़े चुनावी मुकाबले होने हैं

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। अब 03 दिसंबर को नतीजे का इंतजार रहेगा। इसी के साथ हमेशा चुनावी मोड में रहने वाली भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस का भी ध्यान अब आम चुनाव पर लग गया है। लोकसभा चुनाव के लिए अब छह महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में राजनैतिक दलों की सक्रियता को गलत भी नहीं कहा जा सकता है, लेकिन तैयारी की रेस में फिलहाल बीजेपी काफी आगे निकलती दिख रही है। उसने अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के लिए समीकरण साधना और पसीना बहाना शुरू कर दिया है। बीजेपी का सबसे अधिक फोकस 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश पर है, जहां पिछले दो लोकसभा चुनाव में मिली अपार सफलता के बल पर केन्द्र में मोदी सरकार बनना संभव हो पाया था। केंद्र की सत्ता पर काबिज होने की इस लड़ाई के बीच यूपी में दिल्ली और प्रदेश के उच्च सदन के लिए भी चुनावी बिसात सजेगी। बता दें कि राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल आम चुनाव से पहले 2 अप्रैल, 2024 को खत्म हो जायेगा। वहीं, विधान परिषद में भी विधायक कोटे की 13 सीटें 5 मई को खाली हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के साथ बीजेपी एवं अन्य दलों को इन सीटों का गुणा-भाग दुरुस्त करना पड़ेगा।

यूपी कोटे की राज्यसभा की जो 10 सीटें खाली हो रही हैं, उसमें फिलहाल 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। सपा से एक मात्र सीट जया बच्चन की खाली होगी। चुनाव आयोग अगले वर्ष मार्च में इसके लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकता है। वहीं, विधान परिषद में खाली हो रही 13 सीटों में 10 भाजपा, एक उसके सहयोगी अपना दल और 1-1 सपा और बसपा के पास है। 5 मई के पहले इन सीटों पर भी चुनाव प्रस्तावित है।

बहरहाल, राज्य सभा की जो सीटें रिक्त हो रही हैं उसमें मार्च 2018 में 10 सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव में सपा ने जया बच्चन को उतारा था और वह चुनाव जीत गई थीं। साथ ही 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले मायावती से दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश में लगी सपा ने बसपा उम्मीदवार भीमराव आंबेडकर को समर्थन दिया था। हालांकि, क्रॉस वोटिंग व संख्या गणित में भाजपा भारी पड़ी और उसने अपने 9 उम्मीदवार जिता लिए थे। सपा से जया बच्चन तो चुनाव जीत गईं, लेकिन बसपा से भीमराव हार गए थे। 2022 के चुनाव के बाद विधानसभा के बदले गणित के चलते इस बार भाजपा के लिए सभी सीटों को बचा पाना मुश्किल होगा, जबकि सपा के पास राज्यसभा में संख्या बढ़ाने का मौका होगा।

बता दें कि विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी। सत्तारुढ़ गठबंधन के पास कुल 279 (भाजपा-254, अपना दल (एस)-13, निषाद पार्टी-6, सुभासपा-6) विधायक हैं। ऐसे में 7 सीटों पर उसकी जीत लगभग तय है। इसके अलावा कांग्रेस के पास 2, जनसत्ता दल के पास 2 व बसपा के पास एक विधायक है। जनसत्ता दल का समर्थन आम तौर पर भाजपा को रहता है। पिछले विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस व बसपा ने किसी भी दल के प्रत्याशी का समर्थन नहीं किया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों ओर नए दोस्तों को जोड़ने-तोड़ने की कोशिशें चल रही हैं। ऐसे में चुनाव के समय तक दोस्ती व निष्ठा के टिकने-डिगने के आधार पर संख्या व समीकरण आगे-पीछे हो सकता है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इस समय कांग्रेस का कोई भी सदस्य नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है। पिछले साल जुलाई में कांग्रेस पहली बार यूपी के विधान परिषद में शून्य पर पहुंच गई थी। कांग्रेस की स्थिति में फिलहाल आगे भी सुधार होते नहीं दिख रहा है। यही स्थिति इस बार मई में विधान परिषद में बसपा की भी हो सकती है। वह भी शून्य पर पहुंच जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। उसके पास केवल एक विधायक है और इस आधार पर उसका उम्मीदवार पर्चा भी नहीं भर सकता, क्योंकि नामांकन के लिए भी 10 प्रस्तावक की जरूरत होती है। विधानसभा के मौजूदा गणित के हिसाब से विधान परिषद में एक प्रत्याशी जिताने के लिए 29 विधायकों की जरूरत पड़ेगी। अगर सत्तापक्ष और विपक्ष अपने मौजूदा सभी सहयोगियों को चुनाव होने के समय तक साथ रखने में सफल रहते हैं तो भाजपा गठबंधन कम से कम 9 और सपा-रालोद गठबंधन 4 सीटें जीतने की स्थिति में होगा। इसका एक बड़ा फायदा सपा के लिए यह होगा कि एक बार फिर वह विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की सीट की दावेदार हो जाएगी। परिषद में अभी उसके 9 सदस्य हैं और नेता प्रतिपक्ष के लिए जरूरी 1/10 सदस्य के मानक से वह एक पीछे है। 5 मई को खाली हो रही सीटों के हिसाब से सपा की सदस्य संख्या घटकर 8 रह जाएगी। सपा के पास अपने 109 विधायक हैं। ऐसे में कम से कम 3 सीट वह अपने दम पर भी जीतने की स्थिति में है। लिहाजा, परिषद में उसका दहाई में जाना तय है और उसे नेता प्रतिपक्ष का पद वापस मिल जाएगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी।

भाजपा के जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है उसमें अनिल अग्रवाल, अशोक वाजपेयी, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांशु त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव और सपा की जया बच्चन शामिल हैं। इसी प्रकार विधान परिषद में जिन नेताओं का कार्यकाल खत्म होने वाला है उसमें भाजपा के यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान शामिल हैं। वहीं अपना दल (एस) के आशीष पटेल, सपा के नरेश चंद्र उत्तम और बसपा के भीमराव आंबेडकर शामिल हैं।

-स्वदेश कुमार

व्यंग्य

पाओ बेशरम हँसी अनलिमिटेड

मेरे एक मित्र हैं टेकचंद जो अपने इनोवेटिव आइडिया के लिये पहिचाने जाते हैं। उनका दिमाग बिना रनवे के भी ऊबड़-खाबड़ रस्ते से भी टेक-ऑफ कर लेता है और ऐसे-ऐसे जज्बाती, उत्पाती, खुरापाती तथा करामाती आइडिया लेकर लैंड करता है कि सब दाँतों तले उँगलियाँ दबाने लगते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण ही मेरी मित्र-मंडली बिना उनके सलाह के कोई काम नहीं करती। मुरारी जी के बेटे ने इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा पास कर लिया था और कोई स्टार्ट अप शुरू करना चाहता था। वह बेटे को लेकर सलाह लेने टेकचंद के पास गए और उन्हें सारी बात बता कर पूछा- 'आपके विचार से कौन सी फैक्ट्री वर्तमान मार्केट के लिहाज से ज्यादा मुनाफेवाली होगी।'

टेकचंद ने इस बार बिना टेक ऑफ के ही सलाह दे डाली- 'टूथपेस्ट की फैक्ट्री लगवा दो इसे'

'टूथपेस्ट की फैक्ट्री.. पर इस फील्ड में तो पहले से ही बड़े-बड़े दिग्गज मैदान में है.. बहुत से बाबा और आयुर्वेदाचार्य भी इसमें हाथ आजमा रहे हैं.. इनके बीच कैसे नया टूथपेस्ट अपना स्थान बना पायेगा'- मुरारी जी ने अपनी आशंका व्यक्त की।

'ये तुम मुझ पर छोड़ो.. हम इसमें एक ऐसी चीज मिलाकर मार्केटिंग करेंगे कि लोग हाथों हाथ लेंगे इसे.. इसका एड भी हम बनवा देंगे'- टेकचंद बोले।

'पर हम ऐसी कौन सी चीज मिलाएँगे इसमें.. पहले ही लोग लोंग के तेल से लेकर फ्लोराइड, पिपरमेंट, नीम, बबूल, एलोवीरा, नमक और चारकोल जैसा सब कुछ तो मिला चुके हैं.. हमारे लिए बचा ही क्या है मिलाने के लिए'- मुरारी जी अब भी टेकचंद की बातों से आश्वस्त नहीं लग रहे थे। पर चूँकि टेकचंद कह रहे थे सो उन्हें मानना पड़ा। उनके बेटे ने टूथपेस्ट बनाने की फैक्ट्री डाल ली। प्रि-लॉन्चिंग एड भी टेकचंद के निर्देशन में बनाया गया।

स्क्रीन पर दो बालाएँ जो हॉफ से भी ज्यादा हॉफ पैंट में थीं और अपनी नारी-जनित लज्जा को भी छुपाने के प्रति घोर लापरवाह नजर आ रहीं थी, हाथों में टूथपेस्ट लेकर ठुमकती हुई इस घोषणा के साथ अवतरित हुई- 'हम लेकर आ रहे हैं दुनिया का सबसे अद्भुत एलो-आयुर टूथपेस्ट.. ब्रेस.. इसमें न नमक है न कोयला.. न ही नीम है और न ही बबूल, इसमें अमचुर, आँवला और शहद भी नहीं.. इसमें है करामाती इपोमोएया जो आपको दे झकास दाँत और दिलकश दंत निपोर मुस्कान। बस एक बार इस्तेमाल कीजिये और बन जाइए ब्रेस-ब्रेस-ब्रेस'

एड देख कर मुरारी जी टेकचंद के पास दौड़े-दौड़े आये, बोले- 'ये कैसा नाम और एड है, सब कुछ गड़बड़ है इसमें.. ब्रेस .. ब्रेस का मतलब तो निर्लज्जता होता है और आप लोगों को निर्लज्ज होने का संदेश दे रहे हैं .. इसमें पता नहीं ये क्या मिलवा दिया है आपने'

'इस बार आधा सही समझे हैं मुरारी आप.. ब्रेस का मतलब यही है और इसमें हमने बेशरम की झाड़ियों, जिसका बोटनीकल नाम इपोमोएया है, का रस मिलाया है- यह नाम केवल भरमाने के लिए है.. जैसे बाजार में ढेर सारे दूसरे भरमाने वाले प्रोडक्ट हैं.. जवान रहने के लिए, गोरा होने के लिए, बाल उगाने के लिए, लम्बा होने के लिए.. तोंद घटाने के लिए और न जाने क्या-क्या। नाम पर कौन जाता है.. एड धाँसू हो प्रॉडक्ट अपने आप चल जाता है.. अपना एड भी कितना धाँसू बना है.. लोग-बाग इसी तरह के एड के दम पर गंजों तक को कंघियाँ बेंच देते हैं, और नपुंसकों को कंडोम.. हमें तो केवल दंत-मंजन ही बेंचना है.. इस बेशरम जमाने के लिये एकदम मुफीद प्रोडक्ट है यह। आप देखना लोग हाथों हाथ लेंगे उसे'- टेकचंद उत्साह से भरे हुए थे।

मुरारी जी एक बार फिर टेकचंद से असहमति दर्ज कराते हुए वापिस लौट आए लेकिन टूथपेस्ट बाजार में आते ही हंगामा बरप गया। समाज के हर तबके ने टूथपेस्ट को हाथों हाथ लिया। सीडी में कैद नेताओं और जेल जाते बाबाओं के लिये ये टूथपेस्ट वरदान सिद्ध हुआ.. इस टूथपेस्ट की बदौलत ही दोनों प्रेस और समर्थकों के सामने खीं-खीं कर हँस पा रहे हैं। किसान पिटने और गोलियाँ खाकर भी हँसने की हिम्मत दिखा रहे हैं मानो कह रहे हों हम तो अपनी दुर्गति करवा कर भी देश का पेट पालने की हिम्मत रखते हैं और आप अपनी नाकामी के लिये हम पर गोलियाँ बरसा कर बिना ब्रेस टूथपेस्ट के ही हँस रहे हो। जो मजदूर पहले काम छिन जाने से मुँह लटकाए घर में पड़े रहते थे अब हँसते हुए कह रहे हैं- हमें तो वैसे भी फाँकेकसीं की आदत है अब काम नहीं तो क्या.. आपकी सपने बेंचने की दुकान तो अच्छी चल रही है 7

बेरोजगार नौजवान भी ब्रेस टूथपेस्ट करके नौकरी ढूँढने घर से निकलते हैं और शाम को लौट कर 'आज भी नौकरी नहीं मिली' का निराशावादी वक्तव्य भी हँसते हुए घर वालों को दे रहे हैं। अस्पताल में बच्चे मरते हैं और मंत्री जी हँसते हुए बताते हैं पिछले साल भी तो मरे थे। पुलिस वाले निर्दोष लोगों को गोलियाँ मार रहे हैं। भक्त गोडसे को पूज्य बता रहे हैं.. जनप्रतिनिधि अफसरों की दनादन धुनाई कर रहे हैं.. हाथों और मुँह में बंदूक दबाकर इतरा रहे हैं.. नशे में डांस का वीडियो बनवा कर सिस्टम को चुनौती दे रहे हैं। सब इसी टूथपेस्ट की बदौलत।

सच ही कहा था टेकचंद ने.. बहुत ही धाँसू प्रोडक्ट बना है। मुरारी जी टेकचंद के गुण गाते नहीं थक रहे हैं.. वाह- एक बार ब्रश करो और पाओ बेशरम हँसी अनलिमिटेड। मुरारी जी जोर-जोर से हँसने लगे हैं। पत्नी झकझोरते हुए कह रही है- 'एक तो बेटाइम सो जाते हो.. ऊपर से बेमतलब के सपने देख-देख कर घर को सिर पर उठा लेते हो।'

मुरारी जी चौंक कर उठ बैठते हैं जैसे सुबह हो गई हो। अब वह वाश बेसिन के पास खड़े-खड़े ब्रेस टूथपेस्ट खोज रहे हैं। - **अरुण अर्णव खरे**

राशिफल

कार्तिक शुक्ल-द्वादशी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शत्रुओं पर विजय पालेंगे। कार्यों मे धीरे-धीरे प्रगति हो रही है। प्रेम-संतान आपका मध्यम है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता से मन परेशान रहेगा। अज्ञात भय सताएगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड, छ, के, हो, हा)
आय की स्थिति सुदृढ़ होगी, लेकिन उतार-चढ़ाव बना रहेगा। घरेलू सुख बाधित रहेगा और घर में कोलाहल रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी ना करें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
मान-सम्मान पर कोई रिस्क मत लीजिएगा। यात्रा में कष्ट संभव है। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार भी मध्यम दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। थोड़ा बचकर पार करें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति मध्यम कही जाएगी। सरकारी तंत्र से थोड़ा परेशानी का स्थिति बन सकता है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
वृश्चिक राशि की स्थिति स्वास्थ्य के मामले में थोड़ा-सा बेहतर हुए हैं। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम है।

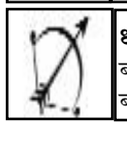

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
बच्चों के सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मय-मय से बचें। मन थोड़ा-सा खराब रहेगा।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। घर में तू-तू, मय-मय का संकेत होगा। नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति थोड़ी-सी मध्यम दिख रही है। स्वास्थ्य में नाक, कान और गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
निवेश से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार भी मध्यम है। जल्द शुभ समाचार मिलेगा।

बाबा खाटू श्याम के जन्मदिन पर भंडारा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री श्याम सेवा समिति द्वारा खाटू श्याम बाबा का जन्मदिन मनाा गया। समिति के अध्यक्ष मुकुल गोयल ने बताया कि बाबा खाटूश्याम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कल हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रामकृष्ण तिवारी (एसीपी), जे पी तिवारी (जेलर), धर्मेंद्र चंदेल, मुकुल गोयल, सुरेश गर्ग, आदित्य अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, कपिल गुप्ता, विनय गुप्ता, विजय अग्रवाल, वैभव बंसल, शुभम मांगलिक, सौरभ गुप्ता, आकाश गर्ग, पीयूष गर्ग, पंकज अग्रवाल, शुभम गोयल, तरंग तायल, चेतन शर्मा, विकास गर्ग, नवनीत अग्रवाल व सभी सदस्य उपस्थित रहे।

केन्द्र सरकार के खिलाफ मजदूरों का महापडाव

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी- किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियन संगठनों व संयुक्त किसान मोर्चा के अखिल भारतीय आंदोलन 26, 27, 28 नवंबर को पूरे देश में होगा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि पूरे देश में मजदूर किसान 26 से 28 नवंबर तक देश के सभी राज्यों के माननीय राज्यपाल महोदयों के कार्यालय पर 3 दिन का महा पड़ा करने जा रहे हैं उन्होंने कहा कि महापड़ाव के अंतिम दिन 28 नवंबर 2023 को प्रात: 10 बजे से जंतर मंतर नई दिल्ली पर बड़ा प्रदर्शन करेंगे जिसमें नोएडा ग्रेटर नोएडा से बड़ी संख्या में मजदूर किसान हिस्सेदारी करेंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष का मनाया जन्मदिन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर भाजपा कार्यकर्ताओं

ने जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी का जन्मदिन केक काटकर मनाया।

जन्मदिन कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद गौतमबुधनगर डॉ. महेश शर्मा भी पहुँचें और जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी को जन्मदिन की बधाई दी और कहा कि जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी सरल मिर्दुभाषी है। भाजपा में युवामोर्चा के जिला अध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष रहते हुए विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए जिला अध्यक्ष गौतमबुधनगर पर कार्य करते हुए पार्टी संघठन को मज़बूत करने का कार्य कर रहें है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने जन्मदिन पर सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सेवानंद शर्मा दीपक भारद्वाज सुनील भाटी इन्द्र नागर मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य रवि जिन्दल सत्यपाल शर्मा मनोज गर्ग मनोज प्रधान धर्मेन्द्र कोरी मनोज भाटी व रवि भदोरिया आदि लोग मौजूद रहे।

वोटर चेतना को लेकर हुई भाजपा की बैठक

भदोही । भाजपा की नेशनल इंटर कॉलेज में एक आवश्यक बैठक हुई। बैठक में मुख्य अथिति के रूप में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा

उपस्थित रहे। बैठक में वोटर चेतना अभियान पर चर्चा की गई।

बैठक शुरू करने से पहले पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य वोटर चेतन महा अभियान तथा-26-नवंबर को 'मन की बात' 11 बजे रविवार को विशेष तौर से पार्टी का आवाहन है कि इसको समस्त जनपद में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व जनमानस अपने-अपने बूथों पर सुने जिसकी मॉनिटरिंग टीम पार्टी से अलग-अलग लगाई गई है

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा मन की बात भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया जाता है जो अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टी की मंशा है कोई व्यक्ति विकास की योजनाओं से छूटने न पाए तथा-25-26 नवंबर-व-2-3-दिसंबर को मतदान केंद्र पर उपस्थित बीएलओ के संबंधित फार्म-6-7-8-फॉर्म देना है उसकी प्रति रसीद प्राप्त करना है एवं उसका रिकॉर्ड मडल विधानसभा जिले में रखना है

श्री मिश्रा ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पार्टी के द्वारा सुनिश्चित की गई है इसी क्रम में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा मतदाता एक ऐसा व्यक्ति है जिसके एक वोट से किसी की भी सरकार बनती है और बिगड़ती है ऐसी स्थिति में कोई भी मतदाता छूटने न पाए यह हमारी आपकी नैतिक जवाबदारी बनती है साथ में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने अपने विचारों को संबोधित करते हुए कहा पार्टी जिस तरह से कम कर रही है आने वाले समय में अंतिम व्यक्ति तक की चिंता हो रही है आगे भी की जाएगी तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं पार्टी के द्वारा चलाई जा रही है जो सीधे जनता जनमानस को उसका लाभ मिल रहा है-2024-का चुनाव निष्पक्ष होगा भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर भदोही से जीतकर दिल्ली के तक्थ को मजबूत करेंगी

इस अवसर पर लोकसभा विस्तारक महावीर प्रसाद गुप्ता शिव शंकर दुबे ओम प्रकाश पांडेय गोवर्धन राय तहसीलदार सिंह सुरेंद्रनाथ पांडेय मनीष पांडेय गोरेलाल पांडेय अजय दुबे राजेंद्र पाल बघेल राजेश सिंह दीपक पाठक दिलीप गुप्ता मनोज शुक्ला शिव शंकर यादव राकेश मिश्रा अशोक पाठक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उद्यमी महासम्मेलन का उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री योगी : बंसल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) का सम्मेलन आगामी 30 नवंबर को लखनऊ में आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यह जानकारी आईआईए के चेयरमैन राकेश बंसल ने कल पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी है।

उन्होंने बताया इण्डियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं उ0प्र0 सरकार के एम0एस0एम0ई0 एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एम0एस0एम0ई0 उद्यमी महासम्मेलन 2023 का आयोजन इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुबह 09: 30 बजे से होगा, जिसका उद्घाटन उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जायेगा 7 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री उत्तर प्रदेश राकेश सचान तथा अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 अमित मोहन प्रसाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे 7'उद्यमी महासम्मेलन' सभी एम0एस0एम0ई0 उद्यमियों के लिए उद्योग जगत के सफल उद्यमियों से मिलने एवं नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करने हेतु आईआईए की एक महत्त्वपूर्ण पहल है 7 उद्यमी महासम्मेलन के इस संस्करण का मुख्य विषय ÒTransforming MSME towards Industry 4.0×48' रखा गया है। जिसमे MSME क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा एम0एस0एम0ई0 विभाग के उच्च पदाधिकारियों द्वारा इसकी अवधारणा को साकार करने के लिए उचित मार्गदर्शन एवं रोडमैप पर चर्चा की जाएगी।

तकनीकी सत्र के दौरान open forum के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को उद्यमों के बदलते स्वरुप एवं अभिनव तकनीकों से एम0एस0एम0ई0 को होने वाले लाभ आदि पर विचार प्रकट करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे निश्चित ही उद्यमियों को एक नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले कुछ MSMEs को अपने विशिष्ट एवं अभिनव उत्पादों को प्रदर्शनी के माध्यम से मुख्यमंत्री के सम्मुख प्रस्तुत करने का भी अवसर प्राप्त होगा। इस मौके पर राकेश बंसल ने बताया कि ग्रेटर नोएडा से भी काफी उद्यमी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कांस्य पदक विजेता को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

कांस्य पदक जीतकर अपने गांव मिर्जापुर पहुंचने पर प्रमोद भाटी का राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की टीम ने चौधरी लखन मलिक राष्ट्रीय महासचिव की अध्यक्षता में पगड़ी बांधकर स्वागत किया तथा संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेन्द्र मलिक ने किया ।

राकेंद्र मलिक ने प्रमोद भाटी को कुछ खेल संबंधित और जीवन उपयोगी गुण भी समझाए तथा मोबाइल से दूरी बनाने तथा अपने विचारों के अंदर अंहकार न पनपने देने तथा जीवन में किसी सरकारी विभाग में नौकरी का मौका मिले तो प्राप्त कर लेने का सुझाव भी दिया।

श्री खाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाया

जेवर (चेतना मंच)। जेवर में श्री दुर्गे मंदिर पर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के पवित्र प्रांगण में गुरुवार को उनका जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ केक काटकर मनाया गया जिसमें सैकड़ों श्याम प्रेमियों ने भाग लिया।

श्री खाटू श्याम मंदिर कमेटी जेवर के अध्यक्ष वैद्य अजय राज शर्मा व श्री दुर्गे मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने सैकड़ों की तादात में आये श्याम प्रेमियों की मौजूदगी में दीप प्रज्जवलित कर श्री खाटू श्याम जी का केक काटकर जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इससे पूर्व श्याम प्रेमियों ने श्री खाटू श्याम के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प वर्षा की और जन्मोत्सव में सभी श्याम प्रेमियों को प्रसाद वितरण किया।

इस पावन अवसर पर श्याम प्रेमियों में अशोक छौंकर पत्रकार, कुलदीप पंडित,सुभाष गर्ग, दीपू जैन,सुनील शर्मा,कुलदीप मेम्बर, देवेन्द्र नागर, पंकज सांवरिया, छत्तरपाल शर्मा, सौरभ ठाकुर,यतीश गोयल, विकास शर्मा आदि समेत दर्जनों की तादात में महिला भी मौजूद थी।

ग्रेटर नोएडा पुलिस ने किया सराहनीय काम कुछ ही देर में ढूंढ निकाली लापता बच्चियां

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के आधुनिक शहर ग्रेटर

नोएडा में ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की बिसरख थाना पुलिस ने एक बेहद ही सराहनीय काम किया है। बिसरख थाना पुलिस ने लापता हुई तीन बच्चियों को कुछ ही देर में ढूंढ निकाला और उनके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के इस कार्य की काफी सराहना हो रही है। बच्चियों के परिजनों ने पुलिस का आभार जताया है।

जानकारी के अनुसार, थाना बिसरख क्षेत्र के निर्माणाधीन सेन्चुरियन पार्क की की झुग्गी में रहने वाले एक व्यक्ति ने गुरुवार को थाना बिसरख पुलिस पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी तीन बच्चियां बिना बताए कहीं चली गई हैं। काफी तलाशने के बाद भी बच्चियों का कुछ पता नहीं चल सका है। बिसरख थाना पुलिस ने तीनों बच्चियों की गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश के लिए टीमों का गठन किया।

आपको बता दें कि वादी ने बताया था कि उसकी 3 बेटियां जिनकी उम्र क्रमश: 10 वर्ष, 3 वर्ष एवं 4 माह है, जो बड़ी बेटी के साथ अचानक घर से बिना बताये कही चली गई हैं। इस सूचना पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक करते हुए बच्चियों को तलाश किया जाने लगा। अथक प्रयास करते हुये थाना क्षेत्र स्थित घर से एक से डेढ किलोमीटर दूर मंदिर से पुलिस द्वारा बच्चियो को तलाश कर लिया गया तथा तीनों बच्चियों को पुलिस द्वारा परिजनों के सुपर्दु किया गया। बच्चियों को पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना संख्या 04/2023

मंडल चिकित्सालय/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी में मेडिसिन एवं सर्जरी विशेषज्ञता में हाउस आफिसर के 04 (चार) पद स्वीकृत हैं। जिसमें वर्तमान समय में दो पद रिक्त हैं, जिस पर कार्य करने हेतु चिकित्सा स्नातक जो एम.सी.आई. में पंजीकृत हैं, चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने हेतु आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस (सोमवार से शुक्रवार तक) आयोजित प्रवेश साक्षात्कार (Walk in interview) के उपरान्त नियमानुसार चयन किया जायेगा। आवेदक सादे कागज पर सभी आवश्यक अभिलेखों की स्वप्रमाणित छायाप्रति सहित, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/मंडल चिकित्सालय/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कार्यालय में उपस्थित होंगे। किसी रेल कर्मचारी के आश्रित (पास नियमों के अनुसार) को वरीयता दी जायेगी। चयन एक वर्ष तक वैध रहेगा तथा पदों पर नियमानुसार रोटेशन आरक्षण दिया जायेगा। पात्रता, नियम एवं शर्तें, देय पारिश्रमिक, आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विज्ञापन का विस्तृत विवरण इत्यादि पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट www.ner.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
मुजाधि/विविध-28 वाराणसी

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

द्वितीय तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1, (पी-2), ग्रेटर नौएडा
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख/तह0-वी0के0/2007/2023 दिनांक : 23.11.2023

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि का यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर वितरण/भूमि क्रय किया जाना प्रस्तावित है-

ग्राम रबूपुरा के अतिरिक्त प्रतिकर से प्रभावित गाटा नम्बरानों का विवरण:-

ग्राम/सैक्टर	गाटा संख्या
रबूपुरा सैक्टर-33, ट्रान्सपोर्टेशन नगर	2215, 2217, 2218, 2226, 2227, 2229, 2232, 2234, 2238, 2240
	ग्राम रबूपुरा के भूमि क्रय से प्रभावित गाटा नम्बरानों का विवरण:-
रबूपुरा सैक्टर-33 ट्रान्सपोर्टेशन नगर	2216, 2219, 2222, 2223, 2224, 2225, 2228, 2235, 2236

उक्त भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी0आर0सेल/तहसीलदार, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

कार्यालय नगर पालिका परिषद, दादरी (गौतमबुद्धनगर)

पत्रांक-1570/न0पा0परि0दा0/स्वा0वि0/2023-24 दिनांक: 23/11/2023

-: अति अल्पकालीन आपूर्ति निविदा सूचना :-

नगर पालिका परिषद, दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी शीत ऋतु के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार जलाऊ लकड़ी की आपूर्ति हेतू इच्छुक विक्रेताओं / सप्लायर ठेकेदारों से वित्तीय वर्ष 2023-24 में दिनांक 31.03.2024 तक के लिये प्रति कुन्टल दरों के सम्बन्ध में सीलबन्द लिफाफे में निविदा नगर पालिका परिषद, दादरी में दिनांक 23.11.2023 से दिनांक 01.12.2023 को दोपहर 02:00 बजे तक प्राप्त करा सकते है, जो दिनांक 01.12.2023 को ही अपरान्ह 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष सक्षम अधिकारी, नगर पालिका परिषद, दादरी द्वारा खोली जायेंगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी महोदय, नगर पालिका परिषद, दादरी में निहित है। कार्य सम्बन्धी आवश्यक जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। निविदा खोले जाने बाली दिनांक को सार्वजनिक अवकाश अथवा विषम परिस्थिति उत्पन्न होने की दशा में प्राप्त निविदाओं को अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी। जिसका विवरण निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मात्रा	जमानत राशि की एफ.डी.आर.	निविदा मूल्य
1	2	3	4	5
01	जलाऊ लकड़ी	प्रति कुन्टल	20,000.00	500.00 + जी.एस.टी. अतिरिक्त

नियम व शर्तें -

1- उक्त निविदा दिनांक 01.12.2023 को अपरान्ह 02:00 बजे तक पालिका में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्म/व्यक्तियों से सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

2- प्रत्येक निविदा के साथ उसकी निविदा शुल्क (कॉलम सं0-05 के अनुसार) नगर पालिका परिषद, दादरी (गौतमबुद्धनगर) के संचालित खाता सं0 50100065525653, एच0डी0एफ0सी0 बैंक, शाखा दादरी, आई0एफ0एस0सी0 कोड HDFC0000927 में जमा कर उसकी पर्ची या ट्रान्सफर रसीद निविदा के साथ जमा करानी अनिवार्य है। उक्त प्रपत्र न होने की दशा में ठेकेदार की निविदा अवैध मानी जायेगी। सम्बन्धित ठेकेदार निविदा शुल्क की पर्ची या ट्रान्सफर रसीद दिखाकर पालिका के स्वास्थ्य विभाग से निविदा फार्म दिनांक 23.11.2023 से दिनांक 01.12.2023 को अपरान्ह 12:00 तक: प्राप्त कर सकते है।

3- उपरोक्त कार्य की निविदा सीलबन्द लिफाफे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, दादरी, में रखी निविदा पेटिका में दिनांक 01.12.2023 को निर्धारित समय 02:00 बजे तक डाली जायेंगी। निविदादाताओं को निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रु0 का नानज्यूडिसियल स्टाम्प पर प्रपत्र नोटेरी, कराकर जमा करना अनिवार्य होगा।

4- उपरोक्त प्राप्त निविदाएँ दिनांक 01.12.2023 को अपरान्ह 04.00 बजे ठेकेदारों के समक्ष, सक्षम अधिकारी की उपस्थति में खोली जायेंगी। उपरोक्त निविदाओं के खोलने के समय ठेकेदार की उपस्थिति अनिवार्य होगी। यदि इस दिनांक को किसी कारणवश निविदा सक्षम अधिकारी की अनुपलब्धता के कारण नहीं खुल पाती हैं तो उनके उपलब्ध होने पर खोली जायेंगी।

5- ठेकेदार/फर्म का जी0एस0टी0 में पंजीकरण अनिवार्य है। पालिका द्वारा उपरोक्त आपूर्ति पर जी0एस0टी0 / अन्य कर देय नही होगें।

6- कार्य से सम्बन्धित जानकारी कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

7- निविदा स्वीकृत /अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी को होगा।

(दीपिका शुक्ला)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, दादरी
जनपद- गौतमबुद्धनगर

(गीता शर्मा)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
दादरी, (गौतमबुद्धनगर)

खोया पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं खुशी शर्मा पुत्री श्री दर्शन शर्मा, मेरी (10th) हाई स्कूल पास वर्ष 2022 माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश, अनुक्रमांक-1220405150 सनद् व मार्कशीट की मूल प्रति कहीं वास्तव में खो गई है। जिसका उपयोग किसी अन्य द्वारा अवैध होगा। मिलने पर उक्त पते पर संपर्क करें।

पता- खुशी शर्मा, कस्बा, थाना सूरजपुर जिला- गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश)

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

जल निगम व निजी फर्म पर 8 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश जल निगम और नोएडा की फर्म एचएनबी इंजीनियर्स पर 8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक सीवर जितेंद्र गौतम ने अलग-अलग जगहों का औचक निरीक्षण किया। खामियां मिलने पर यह कार्रवाई की। उन्होंने इन खामियों को दूर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। उसके बाद और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सीवर विभाग के महाप्रबंधक जितेंद्र गौतम ने अपने टीम के साथ सेक्टर इकोटेक 3 स्थित 20 एमएलडी एसटीपी प्लांट का निरीक्षण किया। जितेंद्र गौतम ने बताया कि इस एसटीपी का संचालन और रखरखाव नोएडा की फर्म एचएनबी इंजीनियर्स कर रही है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से स्लज का उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा। एसटीपी परिसर की साफ-सफाई भी ठीक नहीं मिली। पंपिंग स्टेशन का एक पंप खराब मिला। इसके अलावा कई अन्य खामियां मिलने पर एचएनबी इंजीनियर पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि एचएनबी इंजीनियर्स ही कासना स्थित 137 एमएलडी एसटीपी प्लांट का भी संचालन और रखरखाव कर रही है। यहां निरीक्षण के दौरान परिसर में साफ-सफाई नहीं मिली। स्लज का निस्तारण नहीं किया जा रहा। प्राइमरी यूनिट के विद्युत उपकरण के कवर खराब मिले। परिसर की सड़क क्षतिग्रस्त पाई गई। सीसीटी यूनिट के आसपास भी सफाई नहीं मिली, जिसके चलते फर्म पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जितेंद्र गौतम ने बताया कि उत्तर प्रदेश जल निगम पर भी पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जल निगम की तरफ से कासना स्थित 137 एमएलडी एसटीपी के मास्टर पंपिंग स्टेशन का संचालन व मेनटेनेंस किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान इस एसटीपी के सम्पवेल पर सफाई नहीं पाई गई। फ्लो मीटर, पैनल और डीजी सेट खराब मिला। केबल डक्ट क्षतिग्रस्त पाई गई। सम्पवेल में सीवरेज का लेवल मापने के लिए इंडिकेटर नहीं मिला, जिसके चलते जल निगम पर पांच लाख रुपए की पेनल्टी लगाई गई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उप्र के पुलिस महानिदेशक विजय कुमार पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री आवास पर एडीजे (लॉ एंड आर्डर) प्रशांत कुमार भी उपस्थित थे।

चाट की दुकान पर बैठकर बना डाली फ्रॉड कम्पनी

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने एक ऐसे साईबर फ्रॉड करने वाले कॉल सेंटर का खुलासा किया है जिसकी सारी प्लॉनिंग चाट की दुकान पर बनती थी। गिरोह में कंस्ट्रक्शन साईट पर स्टोर मैनेजर

बीएएलएलबी, कॉल सेंटर ऑपरेटर और चाट की दुकान चलाने वाला शामिल है। गिरोह ने कुछ ही महीने में करोड़ों रूपये ठग लिए।

थाना इंदिरापुरम में प्रभाष कुमार चौधरी ने कोरियर, बीमा पॉलिसी आदि के नाम पर साईबर फ्रॉड होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच करते हुए साईबर सेल व थाना इंदिरापुरम पुलिस ने गिरोह में शामिल गौरव दुआ पुत्र हरीश दुआ निवासी सुपरटेक इकोविलेज गौतमबुद्धनगर, विजय कश्यप पुत्र दिवारीलाल कश्यप निवासी छलेरा सेक्टर-44 तथा दिनेश कुमार निवासी बुलंदशहर को वसुंधरा सेक्टर-1 तिराहे के पास एलिवेटेड पुल के नीचे से गिरफ्तार किया। इनके पास से 27 एटीएम, क्रेडिट कार्ड, 2 चेक बुक, 1 लैपटॉप, मोबाइल व 3 कार बरामद हुई हैं।

गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपी गौरव दुआ ने बताया कि वह अपेक्स कंस्ट्रक्शन साईट पर स्टोर मैनेजर था उसकी आमदनी अच्छी नहीं थी। एक दिन उसकी मुलाकात सोनू चौहान उर्फ धर्मेन्द्र सिंह से हुई। धर्मेन्द्र नोएडा के सेक्टर-132 में कॉल सेंटर चलाता है। धर्मेन्द्र ने उससे अपने साथ काम करने के लिए कहा। गौरव ने बताया कि कॉल सेंटर में सोनू मक्कड़, रवि यादव, अरूण, मुकेश चौहान, ओमवीर सिंह चौहान, सूरज गुप्ता व 3-4 अज्ञात लड़कियां काम करती थी। कॉल सेंटर में कोरियर/बीमा पॉलिसी कराने के नाम पर लोगों को फोन कर फंसाया जाता था। प्रभाष चौधरी को बीमा लोकपाल बनाकर फोन किया गया और उनसे कहा गया कि उनका एक कोरियर प्राप्त हुआ है जिसका स्टांप शुल्क नहीं भरा गया है। इसलिए 8 हजार रूपये जमा कराये जाएं नहीं तो कोरियर वापस भेज दिया जाएगा। इस तरह प्रभाष चौधरी उनके झांसे में फंसा। फर्जी कॉल सेंटर के जरिए कई लोगों से ठगी की गई और 1.65 करोड़ रू0 अलग-अलग खाते में जमा करा लिये गये। गिरोह में शामिल विजय कश्यप चाट की दुकान चलाता था और कोरोना के बाद उसने दुकान बंद कर दी थी। चाट की दुकान पर ही फर्जी कॉल सेंटर गिरोह के लोग बैठकर फर्जीवाडे की प्लॉनिंग बनाते थे। विजय भी उनके झांसे में आ गया और कमिशन पर गिरोह को बैंक खाता उपलब्ध कराने लगा। विजय फेसबुक के माध्यम से एकाउंट लेकर देता था। आरोपी दिनेश ने मोनार्ड यूनिवर्सिटी हापुड़ से बीए एलएलबी की थी और चाट की दुकान पर अक्सर आता था। जहां उसकी विजय कश्यप से दोस्ती हो गयी। दिनेश कंस्ट्रक्शन साईट पर काम करने वाले मजदूरों को पैसे का लालच देकर उनका बैंक खाता खुलवाकर उनके खाते विजय कश्यप को देता था। इसके लिए उसे भी 15 प्रतिशत कमीशन मिलता था। पुलिस गिरोह के दूसरे सदस्यों की भी तलाश कर रही है।

सड़क पर बेहोश मिले व्यक्ति की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़े एक व्यक्ति की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। वही परिजनों द्वारा भर्ती कराए गए एक व्यक्ति ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया।

थाना कासना प्रभारी ने बताया कि किसी व्यक्ति की सूचना पर सरकारी एंबुलेंस कर्मियों ने सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़े एक व्यक्ति को उपचार के लिए जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान उक्त व्यक्ति की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में मृतक का केवल विजय नाम ही पता चल पाया है वह कहां का रहने वाला था इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

थाना दादरी क्षेत्र के एक अस्पताल में भर्ती कराए गए महेश सिंह पुत्र श्री भगवान की मौत हो गई। परिजनों ने उसे गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

बारात में आए युवक की हादसे में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के खोदना गांव में बारात में आया एक युवक दुर्घटना का शिकार बन गया। गंभीर स्थिति में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

ग्राम पटाडी थाना जारचा निवासी मोहम्मद इरफान पुत्र अजमुद्दीन खोदना गांव में एक बारात में आया था। मोहम्मद इरफान एक ऑडी कार की डिग्गी पर बैठा हुआ था। चालक ने अचानक कार को झटके से आगे बढ़ा दिया। जिस कारण मोहम्मद इरफान सड़क पर सिर के बल गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। मोहम्मद इरफान के सिर में गंभीर चोटे आई। बेहोशी की हालत में उसे यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। सूरजपुर थाना प्रभारी ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया प्रारंभिक जांच में चिकित्सकों ने बताया है कि सिर के बल गिरने के कारण मोहम्मद इरफान को ब्रेन हेमराज हो गय। इस कारण उसकी मौत हुई है। इस संबंध में परिजनों ने अभी कोई शिकायत नहीं दी है।

पृष्ठ एक के शेष....

सुरंग में 14 मीटर....

बेंगलुरु की स्क्राड्रन इंफ्रा के छह टनलिंग-माइनिंग विशेषज्ञ इंजीनियर की टीम ने सुरंग में पहुंचकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्थिति देखी। बीआरओ के डीडीजी ब्रिगेडियर विशाल वर्मा का कहना है कि मलबे के भीतर ड्रिल में आ रही दुश्वारियों के बीच बेंगलुरु की स्क्राड्रन इंफ्रा एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की मदद ली जा रही है।

यूपी में हॉट कुक्ड मील....

आज श्री अयोध्या जी में हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दिये जाने वाले मिड-डे मील की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है।

इस मौके पर महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा अयोध्या श्री राम की नगरी है। इस योजना का शुभारंभ यहां से होने से बच्चों को श्री राम का आशीर्वाद मिलेगा। यह योजना बेसिक शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, स्वास्थ विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग के संयोजन से योजना संचालित होगी।

यूपी पुलिस के ...

थाना फेस-2 क्षेत्र की एक कंपनी में इंटरव्यू देने के लिए आए संजय रविदास की बाइक पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। कुलेसरा निवासी संजय रविदास ने बताया कि वह बीते 16 नवंबर को एक कंपनी में इंटरव्यू देने के लिए आया था जल्दबाजी में वह अपनी बाइक में चाबी लगा छोड़ गया इंटरव्यू देने के बाद जब वह कंपनी से बाहर आया तो उसे बाइक गायब मिली।

वहीं थाना फेस 3 क्षेत्र के सेक्टर 64 स्थित कंपनी के बाहर से शिवशरण की बाइक चोरी हो गई दास रिपोर्ट में शिव शरण ने बताया कि वह सेक्टर 64 की एक कंपनी में काम करता है। 16 नवंबर को वह कंपनी के बाहर बाइक खड़ी कर कंपनी में चला गया। शाम के समय छुट्टी होने पर जब बाहर निकला तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी।

प्रोजेक्ट मैनेजर ने....

साइड से सामान भी चोरी हो गया इसके बाद योगेंद्र राणा कंपनी को बिना बताए तथा बगैर हिसाब किताब के धोखे से कंपनी को छोड़कर भाग गया। कंपनी ने इस संबंध में 21 जून को नोटिस भी दिया लेकिन उसका कोई जवाब नहीं दिया गया। इस दौरान पता चला कि काशीपुर साइट पर कंपनी को मिलने वाले काम को योगेंद्र राणा ने धोखे से हड़प लिया। इससे कंपनी की साख को क्षति पहुंची है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

खेत में जुताई.....

थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में अशोक बिजेंदर को कैमराला मार्ग से गिरफ्तार किया गया है। अशोक के पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है इसके अलावा पुलिस ने राजू व वीर सिंह को गांव रामगढ़ के शिव मंदिर से गिरफ्तार किया है। इस मामले में वांछित अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

भारत ने टी20 में हासिल किया 209 रनों का लक्ष्य

पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को दो विकेट से रौंदा, सूर्यकुमार और किशन ने जड़े अर्धशतक

विशाखापत्तनम, (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच सूर्यकुमार यादव की 80 रनों आतिशी पारी और इशान किशन 58 रनों की अर्धशतक की मदद से भारत ने पहले टी-20 रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया दो विकेट से हराते हुए विश्वकप फाइनल की हार का बदला ले लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह टी-20 क्रिकेट में भारत द्वारा हासिल किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है। इससे पहले भारत ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 209/4 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया था। 209 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 22 रन के स्कारे पर दो विकेट गिरने के बाद इशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। इशान किशन ने 39 गेंदों में 58 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 42 गेंदों में 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली। भारत को अंतिम तीन ओवर में 20 रन की जरूरत थी। सूर्यकुमार बड़े शॉट लगाने में कैच आउट हो गए। इस ओवर में सिर्फ छह रन बने। एलिस के अगले ओवर में सात रन बने। रिंकू ने अंतिम ओवर में एबट पर चौका मारा लेकिन अक्षर पटेल (02) गेंदबाज को वापस कैच दे बैठे। अगली गेंद पर रवि बिश्नोई (00) भी रन आउट हुए। भारत को अंतिम दो गेंद पर दो रन की जरूरत थी। अगली गेंद पर एक रन बना लेकिन अर्शदीप सिंह (00) रन आउट हो गए। रिंकू ने अगली गेंद पर छक्का मारा लेकिन नोबॉल होने के कारण पहले ही भारत की जीत सुनिश्चित हो गई। रिंकू सिंह ने 22 गेंदों में 44 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इससे पहले जॉस इंग्लस के धुआंधार 50 गेंदों में 110 रन की शतकीय पारी और स्टीव स्मिथ की 41 गेंदों में 52 रनों की अर्धशतकीय पारी बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 209 रन बनाने का लक्ष्य दिया। इसके अलावा स्टीव स्मिथ ने 52 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4/6
स्टीव स्मिथ रनआउट	52	41	8/0
मैथ्यू शॉर्ट बो. बिश्नोई	13	11	3/0
जॉश इंग्लस कै. जायसवाल बो. कृष्णा	110	50	11/8
मार्कस स्टॉयनिस नाबाद	07	06	0/0
टिम डेविड नाबाद	19	13	2/1

अतिरिक्त: 7, **कुल:** 20 ओवर में तीन विकेट पर 208 रन, **विकेट पतन:** 1-31, 2-161, 3-180, **गेंदबाजी:** अर्शदीप सिंह 4-0-41-0, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-50-1, अक्षर पटेल 4-0-32-0, रवि बिश्नोई 4-0-54-1, मुकेश कुमार 4-0-29-0,

भारत	रन	गेंद	4/6
यशस्वी जायसवाल कै. स्मिथ बो. शॉर्ट	21	08	2/2
ऋतुराज गायकवाड़ रनआउट	00	00	0/0
इशान किशन कै. शॉर्ट बो. संघा	58	39	2/5
सूर्यकुमार यादव कै. हार्डी बो. बेहरनडॉर्फ	80	42	9/4
तिलक वर्मा कै. स्टॉयनिस बो. संघा	12	10	2/0
रिंकू सिंह नाबाद	22	14	4/0
अक्षर पटेल कै. एवं बो. ऐबट	02	06	0/0
रवि बिश्नोई रनआउट	00	01	0/0
अर्शदीप सिंह रनआउट	00	00	0/0
मुकेश कुमार नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 14, **कुल:** 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन: **विकेट पतन:** 1-11, 2-22, 3-134, 4-154, 5-194, 6-207, 7-207, 8-208, **गेंदबाजी:** मार्कस स्टॉयनिस 3-0-36-0, जेसन बेहरनडॉर्फ 4-1-25-1, मैथ्यू शॉर्ट 1-0-13-1, शॉन ऐबट 4-0-43-1, नेथन एलिस 4-0-44-0, तनवीर संघा 4-0-47-2

टी-20 में भारतीय टीम का नेतृत्व करने वाले 13वें कप्तान बने सूर्या

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में उतरते ही सूर्यकुमार यादव टी-20 में भारतीय टीम का नेतृत्व करने वाले 13वें कप्तान बन गए हैं। सूर्यकुमारपहली बार भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले वीरेंद्र सहवाग, एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, सुरेश रैना, शिखर धवन, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल, ऋषभ पंत, अजिंक्य रहाणे और जसप्रीत बुमराह कप्तान रहे हैं। चोटिल हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में भारत ने सूर्यकुमार यादव को टीम की अगुआई करने का मौका दिया है।

ऋतुराज गायकवाड़ टी-20 में डायमंड डक का शिकार होने वाले तीसरे भारतीय

ऋतुराज गायकवाड़ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में डायमंड डक का शिकार होने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम के पहले ही ओवर में रन आउट हुए। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंद जसप्रीत बुमराह (बनाम श्रीलंका, 2016) और स्पिनर अमित मिश्रा (बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2017) भी डायमंड डक का शिकार हो चुके हैं। क्रिकेट में जब भी कोई बल्लेबाज लीगल डिलिवरी का सामना किया बिना आउट हो जाता है तो इसे डायमंड डक कहते हैं। यह ज्यादातर टाइम आउट या रन आउट से होता है।

भारतीय टीम के खिलाफ टी-20 में दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने इंग्लश

ऑस्ट्रेलिया के जॉश इंग्लश भारत के खिलाफ टी-20 में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। भारतीय टीम के खिलाफ टी-20 में सबसे तेज शतक डेविड मिलर ने लगाया पिछले साल लगाया था। इसके लिए उन्होंने सिर्फ 46 गेंदों का सामना किया था। सूची में तीसरे नंबर पर संयुक्त रूप से एविन लुईस (48) और राइली रूसो (48), चौथे पायदान पर ग्लेन मैक्सवेल (50) हैं। इंग्लिश इस शतक के साथ ही भारतीय टीम के खिलाफ टी-20 में चौथे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

टी-20 में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज शतक (कम गेंद में)
- 47 - एरोन फिंच बनाम इंग्लैंड
- 47 - जोस इंग्लस बनाम भारत
- 49 - ग्लेन मैक्सवेल बनाम श्रीलंका
- 50 - ग्लेन मैक्सवेल बनाम भारत

खास खबर

शास्वत भदौरिया के अर्धशतक से जीती एफसीसी

भोपाल,(खेसं)। शास्वत भदौरिया (65 रन) की अर्धशतकीय पारी की मदद से एफसीसी ने यहां खेली जा रही राजा अली टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में एलबीएस क्रिकेट शाला को छह विकेट से हराया। बाबे अली मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एलबीएस ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 195 रन बना। एलबीएस के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी ने 95 रन बनाए। इसके अलावा यथार्थ सिंह ने 27 व सुमित चिकारा ने नाबाद 25 रनों का योगदान दिया। एफसीसी के लिए गेंदबाजी करते हुए सार्थक सोनी और ऋषभ भंडारी ने एक-एक विकेट प्राप्त किए। जवाब में एफसीसी की टीम ने जरूरी रन 19.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर बना लिए। इसमें शास्वत भदौरिया ने 65 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। रितिक टाडा ने 44, अक्षदीप पटेल ने 26 रन बनाए। सुमित चिकारा और विवेक शर्मा को एक-एक सफलता मिली। शास्वत भदौरियो का प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

लेकसिटी वारियर्स ऑल इंडिया क्रिकेट के फाइनल में

भोपाल,(खेसं)। लेकसिटी वारियर्स की टीम ने आस्था क्रिकेट एकेडमी को 77 रन से हराकर ऑल इंडिया क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मैच में लेकसिटी वारियर्स भोपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट पर 171 रन बनाए। लेकसिटी के लिए मोहम्मद जैद ने 41 गेंद पर 83 रन का योगदान दिया। इसके अलावा कृश मल्होत्रा ने 30 गेंदो पर 44 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रणजी खिलाड़ियों से सजी आस्था क्रिकेट एकेडमी मात्र 94 रन पर ढेर हो गई। आस्था की ओर से अजय रोहेरा ने38 रन बनाए। लेकसिटी की ओर से अरबाजुद्दीन ने 4 विकेट प्राप्त किए। जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

राधारमण स्टेट क्रिकेट टूर्नामेंट 25 नवंबर से

भोपाल,(खेसं)। रातीबड़ स्थित राधारमण समूह के क्रिकेट मैदान पर 25 नवंबर से राज्यस्तरीय आरजीपीवी राधारमण स्टेट क्रिकेट टूर्नामेंट आरम्भ होगा। हर वर्ष आयोजित होने वाले इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश के रीवा, उज्जैन, सागर, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर व भोपाल नोडल की 7 टीमें शिरकत करेंगी। क्वालिफाइंग राउंड से लेकर मेगा फिनाले तक यह टूर्नामेंट लगभग 4 दिनों तक क्रिकेट का रोमांच पैदा करेगा। इस टूर्नामेंट में 20-20 फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक मैच खेले जाएंगे। एक दशक से अधिक समय से राधारमण समूह को इस टूर्नामेंट को कराने का गौरव प्राप्त है। टूर्नामेंट के अंत में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। राधारमण इंजीनियरिंग कॉलेज के स्पोर्ट्स इंचार्ज सतीश शर्मा ने बताया कि 28 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट का शुभारम्भ आमंत्रित अतिथियों द्वारा टीमों का परिचय लेकर होगा।

सीबीएसई नेशनल फुटबॉल गर्ल्स अंडर 19 प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी भारत और गल्फ देश की टीमें

भोपाल(खेसं)। एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल भोपाल द्वारा आयोजित सीबीएसई नेशनल फुटबॉल गर्ल्स अंडर 19 प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल शहर के न्यू चोकसे नगर लंबाखेड़ा स्थित एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल मैदान पर 25 नवंबर से किया जाएगा। जिसमें संपूर्ण भारत देश एवं गल्फ कंट्री से कुल 20 टीमें भाग ले रही हैं। इसमें एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल भोपाल, मार ग्रेगोइयस मैमोरियल सीनियर सेकंडरी स्कूल(छत्तीसगढ़), इनफोकस इंडियन पब्लिक स्कूल (वेस्ट बंगाल), आर्मी पब्लिक स्कूल लखनऊ(उत्तर प्रदेश), झारखंड पब्लिक स्कूल रांची (झारखंड), जवाहर हाई सेकेंडरी स्कूल (तमिलनाडु), सीएस अकैडमी (तमिलनाडु), मिलेनियम नेशनल स्कूल (पुणे), शाह सतनाम गर्ल्स स्कूल (राजस्थान), दिल्ली पब्लिक स्कूल (बैंगलोर), स्टेप बाय स्टेप स्कूल (नोएडा), विद्या देवी जिंदल स्कूल (हरियाणा), मॉडर्न स्कूल (न्यू दिल्ली), वसंत वैली स्कूल (दिल्ली), पाइनग्रोव स्कूल (पंजाब), गुरुकृपा स्कूल (राजस्थान), द आर्यन स्कूल (उत्तरप्रदेश) के साथ-साथ गल्फ कंट्री से जेम्स मिलेनियम स्कूल (शारजाह दुबई), एमईएस इंडियन स्कूल (कतर), इंडियन स्कूल (अलवदी ओमान) की टीमें भाग ले रही हैं। नेशनल फुटबॉल गर्ल्स प्रतियोगिता के सचिव सागर रायकवार ने बताया कि, प्रतियोगिता की सभी तैयारियां अंतिम चरणों पर है। 24 नवंबर तक सभी टीमें भोपाल आ जाएंगी। 25 नवंबर को प्रतियोगिता का उद्घाटन सुबह 10:00 बजे एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल फुटबॉल मैदान पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले लीग कम नॉकआउट आधार पर एवं नाईट (दूधिया रोशनी) में खेले जाएंगे।

प्रणय व सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंची

चाइना मास्टर्स: प्रणय ने डेनमार्क के मैग्नस को हराया

शेनझेन,(एजेंसी)। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी चाइना मास्टर्स के अपने - अपने वर्ग के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गए।

विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-12, 21-18 से हराया। पुरूष एकल वर्ग में प्रणय अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना अब जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाइ नाराओका से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त चिराग और सात्विक ने भी जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो को 21-15, 21-16 से हराकर क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से होगा। प्रणय ने जापानी खिलाड़ी के खिलाफ अच्छी शुरूआत करके पहले गेम में 6-1 की बढत बना ली । डेन ने बाद में यह अंतर 8-6 का और 14-11 का कर दिया। इसके बाद प्रणय ने अपने सारे अनुभव का इस्तेमाल करके पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का रहा और 15 अंक तक दोनों ने जबर्दस्त खेल दिखाया। एक समय पर 18-18 से स्कोर बराबर था लेकिन प्रणय ने आखिरी क्षणों में दबाव बनाकर जीत दर्ज की।

आईपीएल में हिस्सा नहीं लेंगे स्टोक्स

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के स्टार ऑलराउंडर इंग्लैंड के बेन स्टोक्स आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलेंगे। सीएसके उनको रिलीज करने के बारे में सोच रही थी, लेकिन उन्होंने खुद को आईपीएल 2024 के लिए उपलब्ध नहीं बताया है। इस बात की जानकारी खुद चेन्नई ने दी है। सीएसके ने एक मीडिया रिलीज में बताया कि स्टोक्स वर्कलोड मैनेजमेंट और फिटनेस की वजह से अगले सीजन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अपने कार्यभार और फिटनेस को प्रबंधित करने के लिए आईपीएल 2024 के लिए खुद को उपलब्ध नहीं कराने का मन बनाया है। 32 वर्षीय स्टोक्स आईपीएल 2023 से पहले सुपर किंग्स का हिस्सा बने। वनडे विश्वकप 2023 में हिस्सा लिया, जिसके लिए उन्होंने रिटायरमेंट से वापसी की थी। सीएसके ने पिछला सीजन जीता था, लेकिन स्टोक्स ज्यादा नहीं खेले थे।

वेस्टइंडीज के मार्लन सैमुअल्स पर लगा छह साल का प्रतिबंध

अबुधाबी टी-10 के मुकाबले के दौरान पाए गए भ्रष्ट आचरण के दोषी

दुबई,(एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज मार्लन सैमुअल्स को 2019 में अबुधाबी टी-10 के मुकाबले दौरान भ्रष्ट आचरण का दोषी पाए जाने के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूप से छह साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। आईसीसी ने कहा कि एक स्वतंत्र न्यायाधिकरण ने सैमुअल्स को चार मामलों में दोषी पाया गया। उन्हें 15 वर्ष पहले भी इसी तरह के अपराध के लिए सजा दी गई थी। आईसीसी के एचआर और इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख एलेक्स मार्शल ने कहा, सैमुअल्स ने करीब दो दशकों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला, इस दौरान उन्होंने कई भ्रष्टाचार विरोधी सत्रों में भाग लिया और जानते थे कि भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के तहत उनके दायित्व क्या थे। यद्यपि वह अब रिटायर हो चुके हैं, लेकिन जब अपराध किए गए थे तब सैमुअल्स एक प्रतिभागी थे।

हरिका स्पीड चेस के फाइनल में हारीं

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी हरिका जूलियस बायर वुमैन्स ऑनलाइन स्पीड चेस चैम्पियनशिप 2023 के फाइनल में चीन की जीएम होऊ यिफान से 11-15 से हार गयीं। होऊ को खिताब जीतने के लिए 10,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली जबकि हरिका को 4,230.77 डॉलर की राशि प्राप्त हुई। हरिका ने फाइनल मुकाबले के बाद कहा, मैं आज अच्छा नहीं खेल सकी। मुझे लगता है कि लगातार मैच खेलने का असर पड़ा है। यह वास्तव में थकाने वाला था। उन्होंने कहा, च्यह मेरे पसंदीदा टूर्नामेंट में से एक है जो अपने ही देश में हो रहा है। आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह के मैच खेल सकते हो जिसमें शानदार पुरस्कार राशि भी मिलती है।

उप्र ने पहली बार जीती पुरुष अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी

लखनऊ (एजेंसी)। ऋतुराज शर्मा (143 रन) के शतक और कप्तान समीर रिजवी (84) के अर्धशतक की मदद से उत्तर प्रदेश की टीम फाइनल में उत्तराखंड को 16 रन से हराकर पहली बार पुरुष अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी का खिताब जीता। उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट पर 356 रन का विशाल स्कोर बनाया। टीम अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी और शोएब सिद्दीकी (16) व स्वास्तिक चिकारा (4) की सलामी जोड़ी कुल 25 रन ही जोड़ सकी। हालांकि इसके बाद उतरे ऋतुराज शर्मा ने विरोधी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। ऋतुराज ने 135 गेंदों पर 143 रन बनाए। उनका साथ देते हुए समीर रिजवी (84) ने अर्धशतक जड़ा। वहीं आदित्य शर्मा ने 47 रन का योगदान किया। उत्तराखंड की ओर से सत्यम बालियान ने 3 विकेट हासिल किए। जवाब में उत्तराखंड निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट पर 340 रन ही बना सका और जीत से 16 रन दूर रह गया।

राष्ट्रीय स्क्वॉश चैंपियनशिप जीतने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी बनीं अनाहत

चेन्नई, (एजेंसी)। स्टार किशोर खिलाड़ी अनाहत सिंह ने गुरुवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय स्क्वॉश चैंपियनशिप का महिला एकल का खिताब जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी बनीं। पंद्रह साल की अनाहत चोटिल तन्वी खन्ना के 9-11, 11-4 के स्कोर पर मुकाबले से हटने पर चैंपियन बनीं। स्थानीय दावेदार वेलावन सेंथिलकुमार ने अभय सिंह को फाइनल में 12-10, 11-3, 12-10 से हराकर पुरुष वर्ग का खिताब जीता। अनाहत की राह असान रही जब तन्वी को चोट के कारण फाइनल के बीच से हटना पड़ा। अनाहत ने पहला गेम 9-11 से गंवा दिया था लेकिन दूसरे गेम में तन्वी की चोट के बाद उन्हें एक अंक मिला जिससे उन्होंने 6-4 की बढ़त बनाई। तन्वी को इसके बाद उबरने के लिए तीन मिनट का समय दिया गया लेकिन वह गेम से हट गई और अधिकारियों ने अनाहत को विजेता घोषित किया। जोशना चिनप्पा ने 2000 में 14 साल की उम्र में अपने 19 खिताबों में से पहला खिताब जीता था।

मानव स्थली व टेक्नो इंडिया स्कूल ने टीम वर्ग में जीते स्वर्ण पदक

नेशनल टेटे प्रतियोगिता: रित्विक गुप्ता को भी मिला सोना

भोपाल,(खेसं)। एनआरआई ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल में आयोजित हो रही सीबीएसई नेशनल टेबल टेनिस प्रतियोगिता में गुरुवार को टीम कैटिगरी के फाइनल खेले गए। गर्ल्स अंडर-14 वर्ग टीम के मुकाबले में मानव स्थली स्कूल दिल्ली ने श्री शंकर स्कूल चेन्नई को हराकर गोल्ड मेडल जीता।

वहीं अंडर-14 बॉयज टीम वर्ग के मुकाबले में बाल भारती पब्लिक स्कूल गुड़गाव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्री शंकर स्कूल चेन्नई की टीम को 2-0 व 2-1 से हराया। अंडर-17 बॉयज टीम वर्ग में टेक्नो इंडिया पब्लिक स्कूल सिलीगुड़ी की टीम ने मानव स्थली स्कूल दिल्ली की टीम को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया। इंडिविजुअल कैटिगरी में अंडर-14 बॉयज इंडिविजुअल में दिल्ली पब्लिक स्कूल, दिल्ली के रित्विक गुप्ता ने सनबीम स्कूल, वाराणसी के पार्थ को 11-7, 11-8 और 11-2 से हराकर फर्स्ट पोजीशन पाकर गोल्ड मेडल जीता। इस प्रतियोगिता में भारत व गल्फ देशों के करीब 1200 प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे है।

चहल ने विजय हजारे में बरपाया कहर

हरियाणा के लिए झटके 6 विकेट, टीम इंडिया में वापसी के लिए खटखटाया दरवाजा

अहमदाबाद (एजेंसी)। युजवेंद्र चहल के छह विकेट की बदौलत हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी 2023 के अपने पहले मैच में उत्तराखंड को 30 गेंद शेष रहते हुए छह विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड की टीम 47.4 ओवर में 207 रनों पर ऑलआउट हो गई। जबाव में हरियाणा ने 45 ओवर में चार विकेट पर 208 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी उत्तराखंड की टीम की शुरुआत तो अच्छी रही। कुनाल चंदेला (47) और कप्तान जीवनजोत सिंह (26) ने पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े। उत्तराखंड के लिए आदित्य तरे ने सर्वाधिक 65 रन बनाए। भारतीय टीम से नजरअंदाज किए जाने के बाद युजवेंद्र चहल ने हरियाणा के लिए शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 26 रन देकर छह विकेट लिए। चहल के अलावा हरियाणा की ओर से राहुल तेवतिया और सुमित कुमार ने दो-दो विकेट चटकाए। चहल को पिछले कुछ समय से भारतीय वनडे टीम में जगह नहीं मिल रही है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज से में भी उन्हें भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा के लिए युवराज सिंह ने 68 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इसके अलावा अंकित कुमार ने 49 और अशोक मेनारिया ने 44 रन का योगदान दिया।

मध्य प्रदेश की विजयी शुरुआत

मध्य प्रदेश ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने पहले मैच में गोवा को 62 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर विजयी शुरुआत की। गोवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 272 रन बनाए। जबाव में मप्र ने तीन विकेट पर 253 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। गोवा के लिए राहुल त्रिपाठी ने 92 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। मप्र के लिए अरशद खान ने 9 ओवर में 39 रन देकर तीन विकेट झटके। इसके अलावा कुलवंत, मप्र के लिए हिमांशु मंत्री ने 111 गेंदों पर 18 चौकों की मदद से 127 रनों की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा रजत पाटीदार ने 64 रन और यश दुबे ने 30 रनों का योगदान दिया।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
459 = 8	780 = 5
240 = 6	335 = 1

शुभांक

दिन	रात
289 = 9	290 = 1
378 = 8	339 = 5

भाग्यांक

1 3 7 9

www.kalyangame.com

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर-15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन- 0120- 2321857

मो0- 9811082962

मांडू

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित मांडू एक खूबसूरत, प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह शहर प्रेम, आनन्द और उल्लास का प्रतीक है। विंध्य की पहाड़ियों में 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित मांडू 10वीं शताब्दी में मालवा के परमार राजाओं की राजधानी रहा। लगभग 13वीं शताब्दी तक उस पर मालवा के सुल्तान का शासन रहा। यह शहर रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम का साक्षी है। मांडू की भूमि संदैव रानी रूपमती और राजा बाज बहादुर के प्रेम गीतों को गुनगुनाती-सी प्रतीत हो ती है। अकबर ने मालवा के अंतिम शासक बाज बहादुर को हराकर इसे अपनी मुगल सल्तनत में मिला लिया था। यहां के खंडहर और इमारतें हमें इतिहास के उस झरोखे का दर्शन कराते हैं जिसमें मांडू के शासन की विशाल समृद्ध विरासत और शान- ओ-शौकत की दास्तान दिखती है। मांडू की प्राकृतिक खूबसूरती के कारण इसे प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। शहर के ऐतिहासिक महत्व एवं प्रेम से जुड़ी अनेक गाथाओं के कारण इसे खुशियों का शहर भी कहा जाता है। यहां अनेक ऐतिहासिक महलों, इमारतों, मस्जिदों तथा भव्य स्मारकों का दीदार किया जा सकता है। मालवा के स्वर्ग यानी मांडू अथवा मांडवगढ़ की जानते हैं कुछ विशेषताएं

जहाज महलः यह 120 मीटर लम्बा दो मंजिला जहाज के आकार का एक खूबसूरत महल है। पानी के बीच में स्थित यह महल तैरता हुआ-सा प्रतीत होता है। इसका निर्माण गयासुद्दीन खिलजी द्वारा किया गया था। चांदनी रात में इस महल की छटा देखते ही बनती है।

हिंडोला महलः यह जहाज महल के उत्तर में स्थित है। गयासुद्दीन खिलजी ने इसका नाम 'हिंडोला महल' रखा था, क्योंकि यह झूलता हुआ प्रतीत होता है। इस महल में एक विशाल सभागार है। महल के आगे के हिस्से की सजावट व संगमरमर के पत्थरों पर की गई सूक्ष्म जालीदार नक्काशी अपने आप में अनूठी है। इसकी कला अपने में एक मिसाल है।

बाज बहादुर पैलेस : यह 16वीं शताब्दी में निर्मित एक आकर्षक महल है। इस महल के बड़े-बड़े हालनुमा कमरे, अनेक छज्जे तथा चबूतरे इसकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देते हैं। महल के बीचोबीच एक खूबसूरत कुंड है। महल की छत से आसपास के दृश्य की मनमोहकता दिलोदिमाग को ताजगी का अहसास करा देती है। पर्यटक यहां से प्रकृति से रूबरू हो जाते हैं।

रूपमती मंडप : यह मंडप रानी रूपमती के लिए राजा बाज बहादुर द्वारा बनवाया गया था। इस स्थान पर आकर रूपमती प्रतिदिन नर्मदा नदी के दर्शन किया करती थी। इस स्थान का प्राकृतिक सौन्दर्य अपने आप में अनूठा है। यहां से प्रकृति का दिलकश नजारा लेने में आनंद की अनुभूति होती है।

रेवा कुंड : इस जलाशय का निर्माण राजा बाज बहादुर द्वारा कराया गया था जो रानी रूपमती के महल में पानी समुचित व्यवस्था के लिए था।

होशंगाह का मकबरा : यह भारत की अनूठे किस्म के संगमरमर की इमारत है जो अफगान स्थापत्य कला का सुंदर नमूना है। इमारत के चारों कोनों पर विशाल स्तम्भ स्थित है।

कब जाएं

मांडू जाने का सबसे अच्छा मौसम जुलाई से मार्च तक का है। वैसे बारिश के मौसम में यहां का सौन्दर्य देखते ही बनता है। इस समय पर्यटक प्रकृति से पूरी तरह से रूबरू होकर आनंदविभोर जाते हैं।

कैसे जाएं

हवाई, रेल और सड़क मार्ग की अच्छी सुविधा है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा इंदौर है जो लगभग 100 किलोमीटर दूर है। यह देश के बड़े हवाई अड्डों से जुड़ा है। मांडू का निकटतम रेलवे स्टेशन 100 किलोमीटर तथा रतलाम 124 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग द्वारा इंदौर, उज्जैन, भेपाल, ग्वालियर, खजुराहो आदि स्थानों से मांडू पहुंच सकते हैं।

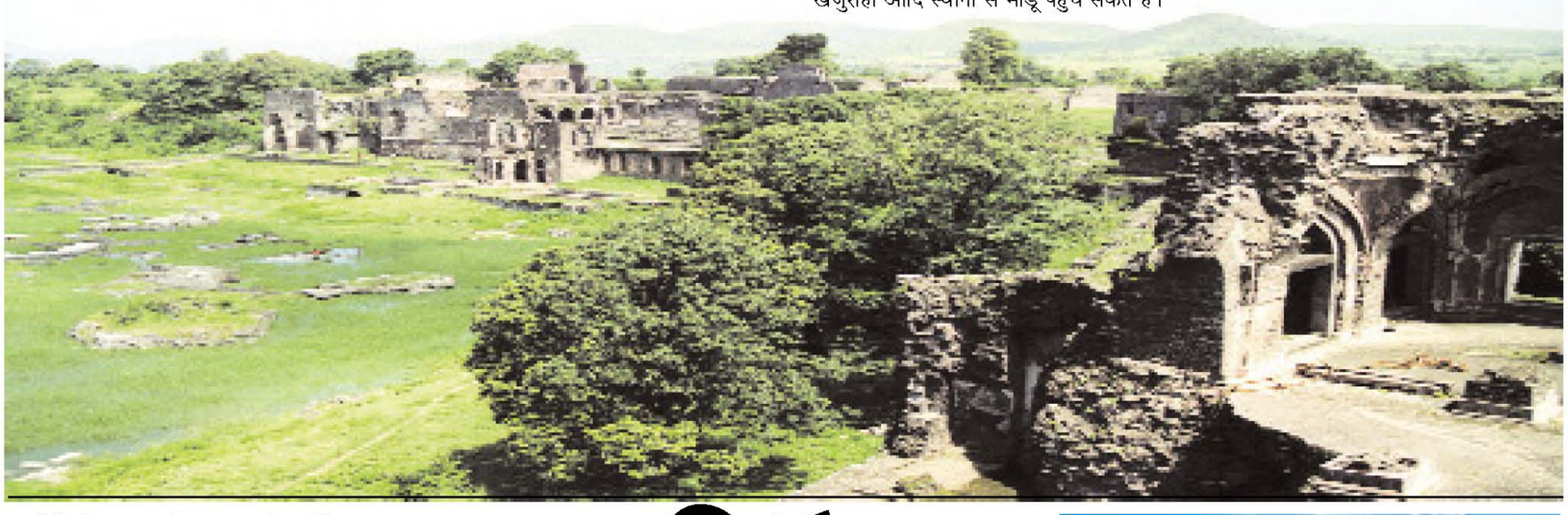

थाईलैंड

एक तरह का राम राज्य है

थाईलैंड में एक तरह से राम राज्य है वहां के राजा को भगवान श्रीराम का वंशज माना जाता है लेकिन भगवान राम के नाम को लेकर वहां कोई धार्मिक विद्वेष अथवा असहिष्णुता नहीं है। भारतीय संस्कृतिक धार्मिक विरासत से जुड़े थाईलैंड में राजा को भगवान का प्रहरी माना जाता है तथा बौद्ध मतावलंबी आबादी वाले इस देश में न केवल बौद्ध मठों बल्कि हिन्दू मंदिरों तथा गिरिजाघरों में भी भगवान की प्रतिमाओं तथा चित्रों के दोनों तरफ सैनिक वेशभूषा में काशी नरेश की भगवान के प्रहरी के रूप में चित्र तथा मूर्तियां लगी रहती हैं।

थाईलैंड आने वाले सैनानियों को यह बात अवश्य ही आश्चर्यचकित करती है कि वहां स्त्रियों तथा पुरुषों के लिए अभिवादन करने के शब्द अलग-अलग हैं। नरेश ऊदयादेव को नौवें राम की पदवी दी गई है। थाईलैंड में संवैधानिक लोकतंत्र की स्थापना 1932 में हुई। भगवान राम के वंशजों की यह स्थिति है कि उन्हें निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर कभी भी विवाद या आलोचना के घेरे में नहीं लाया जा सकता है वे पूजनीय हैं।

थाई शाही परिवार के सदस्यों के सम्मुख थाई जनता उनके सम्मानार्थ सीधे खड़ी नहीं हो सकती है बल्कि उन्हें झुक कर खड़े होना पड़ता है। 75 वर्षीय काशी नरेश आधुनिक थाईलैंड के निर्माता माने जाते हैं। वैज्ञानिक चित्रकार तथा अंग्रेजी संगीत के मर्मज्ञ थाई नरेश थाईलैंड की राजनैतिक व्यवस्था में स्थायित्व के प्रतीक हैं। राजकुमार महाकाशी रांगलोंजकोर्स उनके उत्तराधिकारी हैं। उनकी तीन पुत्रियों में से एक हिन्दू धर्म की मर्मज्ञ मानी जाती हैं।

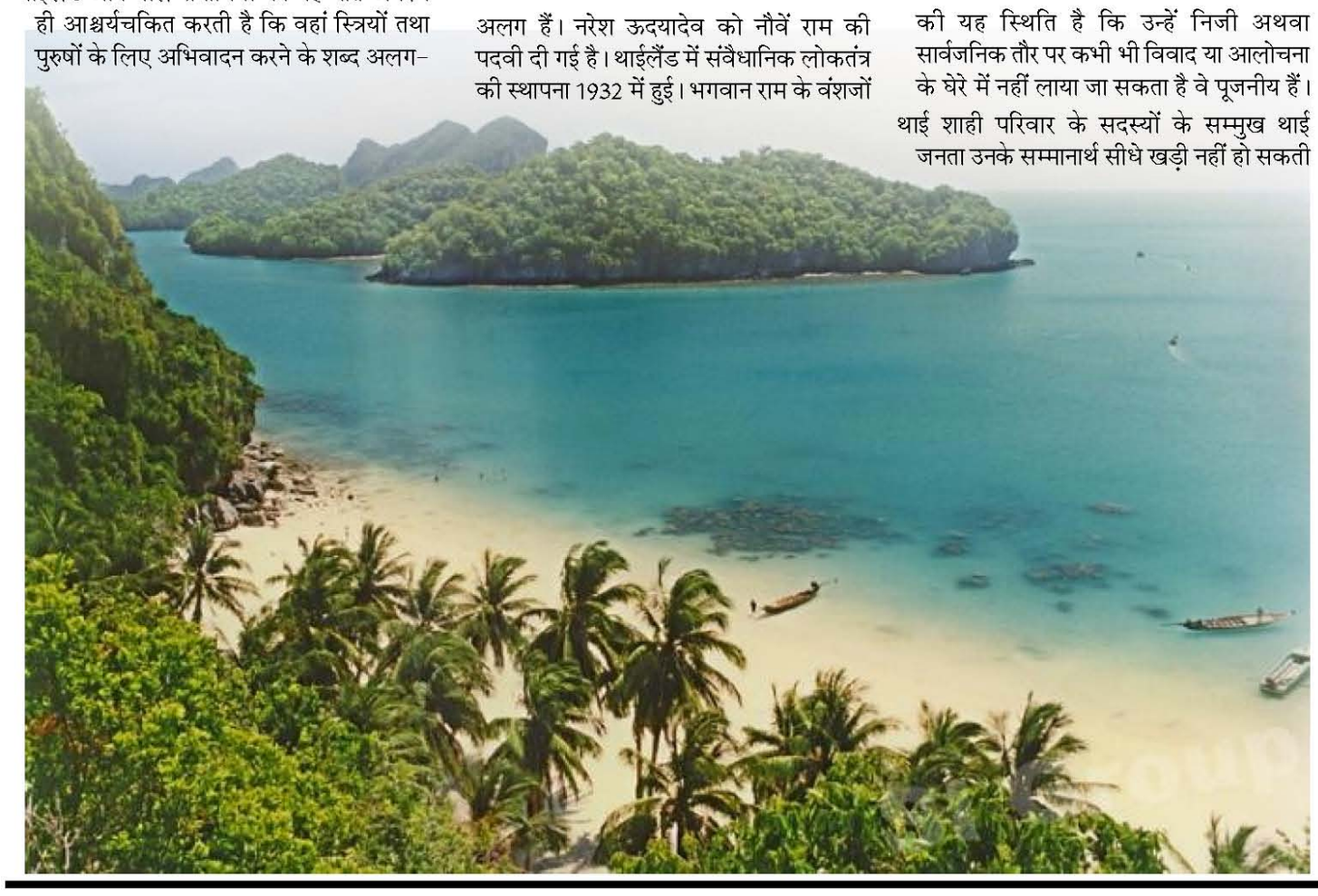

लगभग 6 करोड़ 20 लाख की आबादी वाले थाईलैंड की 94 प्रतिशत आबादी बौद्ध मतावलंबी है, चार प्रतिशत आबादी मुसलमानों, ईसाइयों, हिन्दुओं तथा अन्य मतावलंबियों की है। थाईलैंड के बौद्ध मठों में विशेषतौर पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दोनों तरफ थाई नरेश की सैन्य वस्त्रों में रक्षक के रूप में मूर्तियां देखकर सैलानी कौतूहल से भर उठते हैं।

चिआंग माशी में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दोनों तरफ ऐसी ही थाई नरेश की सैन्य वस्त्रों में सुसज्जित प्रहरी के रूप में खड़ी प्रतिमाएं हैं। इस मठ की एक विशेषता भारत से लाए गए पांच बौद्ध वृक्षों में से एक विशाल बोधि वृक्ष है यह बोधि वृक्ष भारत से लाकर खासतौर पर थाईलैंड के तीन प्रांतों में रोपा गया है।

इस मठ में बड़ी तादाद में भारतीय श्रद्धालु खासतौर पर इस बोधि वृक्ष को देखने आते हैं। थाई संस्कृति की एक अन्य विशेषता स्त्रियों तथा पुरुषों के अभिवादन का अलग-अलग तरीका है। थाई महिला अगर आपका स्वागत करती है तो वह हाथ जोड़ कर स्वाकी रक्षा कहेगी लेकिन पुरुष स्वाकी कास कहेंगे।

प्राकृतिक वरदान जैसा है छत्तीसगढ़ का जसपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्वी छोर पर स्थित प्राकृतिक रूप से सुसज्जित जशपुर जिला प्राकृतिक वरदान के रूप में प्राप्त जलप्रपातों व हरीतिमा के साथ ही अपने सुहावने मौसम के लिए विख्यात है। समुद्र सतह से लगभग 2700 फीट ऊपर स्थित जशपुर जिले में दर्जनों जल प्रपात हैं। जो पर्यटकों का मन बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कई पर्यटक ऐसे होते हैं जो प्रकृति की खूबसूरती के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के बारे में ज्यादा जानकारी पाने की इच्छा रखते हैं और उन्हें क्रिया करते हुए देखना चाहते हैं। ऐसे पर्यटकों के लिए यह स्थल एकदम बढ़िया है।

यहां प्रकृति के उपहार के रूप में साल के बड़े-बड़े वृक्षों से आच्छादित वनों के बीच में स्थित ये जलप्रपात शांत वातावरण में अपने गतिमान जल की मधुर ध्वनि के साथ पर्यटकों को घंटों निहारने को विवश कर देते हैं। आदिवासी बाहुल्य इस जिले में रानी दाह, राजपुरी, सुलेसा, बेने, दनगरी, गुल्लू, दमेरा, महनई, कोतेबिरा आदि मुख्य जलप्रपात हैं।

जिले में कैलाश गुफा, ईब नदी, खुडियारानी, पंडरापाठ, बादरखोल अभ्यार.य, अलोरी पटिया सिरी नदी, महागिरजाघर, अवधूत भगवान राम की सिद्ध पीठ आदि अनेक

स्थल देखने लायक हैं। पर्यटक बड़े आराम से उपरोक्त स्थलों को सुगमता से देख सकते हैं। यहां का सूर्योदय व सूर्यास्त भी देखने लायक है।

वैसे तो छत्तीसगढ़ पूरा राज्य ही दर्शनीय स्थल है लेकिन जशपुर जिले का राज्य के पर्यटन मानचित्र में अलग ही स्थान है तभी तो यहां सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं शोधार्थियों को भी देखा जा सकता है।

यदि आप यहां आना चाहते हैं तो रांची, राउरकेला, झारसुगड़ा, रायगढ़, बिलासपुर तक रेल यात्रा कर बस या किराये के टैक्सी द्वारा यहां आ सकते हैं। यहां पर पर्यटन के दौरान ठहरने की भी उचित व्यवस्था है। आप चाहें तो लोकनिर्माण भवन, वन विभाग, जल संसाधन विभाग के विश्राम गृहों में ठहर सकते हैं या फिर चाहें तो सुविधा लॉज, महामाया लॉज, श्याम लॉज तथा धर्मशालाओं में भी ठहर सकते हैं। यहां लगभग वर्ष भर ही मौसम ठीक रहता है लेकिन गर्मियों के दिनों में यहां आने से बचा जाए तो ठीक रहेगा। जशपुर छोटा किन्तु लुभावना पर्यटन स्थल है। यह जगह भले ही छोटी हो लेकिन यहां पर्यटकों को सभी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

ताहिर राज भसीन को सताता है कंफर्टेबल होने का डर

बॉलीवुड एक्टर ताहिर राज भसीन ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद किया। साथ ही कुछ किस्से भी सुनाए। बताया कि उन्हें सहज होने से डर लगता है। वह इंडस्ट्री में यादगार होने के लिए आए हैं। उन्होंने बचपन से ही कई फिल्में देखी हैं। बचपन में सिंगल थिएटर में सुनीं सीटियां आज भी ताहिर राज भसीन के दिमाग में गूंजती हैं। इसी ने उनके अभिनेता के आकार में ढलने के सपने को साकार किया। आज भी उनके मन में यही रहता है कि उन पलों को कैसे अपनी ऐक्टिंग के दम पर रीक्रिएट किया जाए। नब्बे के दशक की फिल्मों के बीच गुजरा उनका बचपन बड़े होते-होते इंटरनेशनल सिनेमा तक पहुंचा। इस मिश्रण ने उनके अभिनेता बनने के सफर को और मांझ दिया।

अच्छा एक्टर बनने के लिए हर तरह का सिनेमा देखना जरूरी

मैं जिन शहरों इलाहाबाद (प्रयागराज), जामनगर, ग्वालियर में बड़ा हुआ, वहां सिंगल स्क्रीन थिएटर थे। वहां बॉलिवुड सिनेमा बहुत देखा जाता था। मैं जब कॉलेज में आया, तब जो दोस्त बने, वो इंटरनेशनल सिनेमा देखते थे। मेरे हिसाब से आज का एक्टर कोई एक चीज देखे तो वह सही नहीं है। अगर आप एक तरह का सिनेमा देखकर आएंगे तो हिंदी सिनेमा में काम करना मुश्किल होगा। अगर मैं सिर्फ 90 के दशक का मसाला सिनेमा देखता या सिर्फ अंग्रेजी फिल्में देखकर ऐक्टिंग करने आता तो मुझे प्रॉब्लम होती। इस वजह से आपको हर तरह का सिनेमा देखना होगा। मुझे लगता है कि इसका असर मेरी फिल्मों की चॉइस और काम में दिखता है। मैं ज्यादा मसाला नहीं हूं और ज्यादा सीरियस भी नहीं हूं। मैं बीच का हूं। यही मुझे सुल्तान ऑफ दिल्ली की खूबसूरती लगी कि उसका अंदाज एंटरटेनिंग है पर ऐक्टिंग गंभीर। आप यह भी कह सकते हैं कि एक उम्र तक तो बैटमैन अच्छा लगता है, लेकिन जब समझ आती है, तब समझ में आता कि जोकर भी बहुत बुद्धिमान है।

रिस्क लेने का रोमांच ही मुझे मुंबई खींचकर लाया था

घर में सब सेटल हैं। पापा एयरफोर्स में थे और भाई पायलट है। मुझे कभी इस बात का डर नहीं लगा कि अगर कुछ कर नहीं पाया तो क्या होगा। सच कहूं तो मुझे डर ये था कि अगर मैंने रोज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक की नौकरी की तो शायद मैं बोरियत से मर ना जाऊं। इससे अलग करने के लिए मेरे अंदर एक रोमांच था। मैं मुंबई आने से पहले बहुत उत्साहित था कि मैं वहां क्या रोमांचक कर पाऊंगा। मेहनत की यही खासियत है कि जितना प्रतिशत आप अपना दोगे, उतना ही मिलेगा। शुरुआत में स्ट्रगल था, लेकिन तब भी मजा आ रहा था क्योंकि वो मेरे मन का था। आज भी मैं कंफर्टेबल ना होने की कोशिश करता हूं, जबकि अब तो काम है और थोड़ा सेटल भी हो गया हूं। फिर भी कंफर्टेबल होने का डर सताता है। मुझे पता है कि रिस्क नहीं लिया तो जिंदगी का सारा रोमांच खत्म हो जाएगा। यही रोमांच मुझे मुंबई खींचकर लाया था। अगर कोई कलाकार चाहे वो म्यूजिशयन हो, एक्टर हो या स्पोर्ट्स पर्सन, मैं उनसे कहूंगा कि अपने दिल की सुनो क्योंकि मेहनत कभी जाया नहीं जाती है।

मैं यादगार होने के लिए आया हूं

मैंने कम फिल्में की हैं। इसको मैं अपना बेस्ट निकालना कहूंगा। अगर आपको क्वालिटी वाला काम करना है, जो दर्शकों के दिमाग में ठहर जाए तो उसमें समय लगना लाजिमी है। सुल्तान ऑफ दिल्ली को शूट करने में हमें डेढ़ साल लग गए थे। मुझे अपने किरदार अर्जुन भाटिया में ही घुसने में चार महीने लगे। मैंने माचो बनने के लिए 8 से 10 किलो वजन बढ़ाया, बहुत फिजिकल ट्रेनिंग ली। फिर कपड़ों के हिसाब से उसका हाव-भाव कैसा रहेगा, उस पर मेहनत की। इसी तरह नेटफ्लिक्स की ये काली-काली आंखें को शूट करने में भी डेढ़-दो साल लग गए थे। मेरा हमेशा से यह मानना है कि चर्चित होने और यादगार होने में जमीन-आसमान का फर्क है। मैं यादगार होने के लिए आया हूं। मैं 2010 में मुंबई गया और 2014 में पहली फिल्म मर्दानी आई।

मर्दानी के किरदार को एंटी हीरो के रूप में देखा गया

हां, मैंने पहली ही फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभाई थी। मेरा मानना है कि इंसान को किस्मत से ज्यादा और समय से पहले कुछ नहीं मिलता। मुझसे पहले भी बहुत महान कलाकार जैसे शाहरुख खान, इरफान खान हुए हैं, जिन्होंने नेगेटिव किरदारों से ही फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। फिर आगे उन्होंने क्या किया, यह पूरी दुनिया जानती है। पहले किरदार को ही हकीकत मान लेना और आगे के लिए अपनी भूमिका तय कर देना सही नहीं है। मेरा मानना है कि जो भी काम मिले, उसे पूरे मन से करें तो वह आगे जाकर आपको आगे ही बढ़ाएगा। इत्तेफाक से मेरी पहली फिल्म मर्दानी थी। उसे देखकर ही मिलन सर ने मुझे सुल्तान ऑफ दिल्ली सीरीज के लिए फोन किया था कि आजा हीरो का रोल कर। यह मेरे लिए बड़ी बात है। मर्दानी में मेरे नेगेटिव रोल को जिस तरह से दर्शकों ने स्वीकार किया और उसका फीडबैक मिला, वो अलग ही था। उसे उन्होंने एक एंटी हीरो की तरह देखा था। एक हीरो और एक विलेन होता है। इनमें एक बीच का एंटी विलेन होता है, जो चार्मिंग लगता है। ऐसा लगता कि यह तो मेरा दोस्त, भाई और बॉयफ्रेंड हो सकता है, लेकिन उसका दिमाग थोड़ा सटका हुआ होता है। ऐसा नहीं था कि उसके मुंह में पान के निशान हों, ढेर सारी अंगूठियां पहनी हों, काले कपड़े हों। उसका बॉय नेक्स्ट डोर टाइप का लुक था।

मैं अपनी कहानी का नायक था

इमरान हाशमी ने कहा कि फिल्म 'टाइगर-3' में उन्होंने अपने किरदार को खलनायक समझने की बजाय उसे नायक से अलग मानकर निभाया। उन्होंने कहा कि खलनायक के किरदार को करने का सबसे खराब तरीका उसे नकारात्मक सोच के साथ निभाना है। हाशमी ने कहा कि उन्होंने पूर्व आईएसआई एजेंट आतिश रहमान के अपने किरदार को खलनायक समझने के बजाय एक ऐसा व्यक्ति समझा जिसका नजरिया फिल्म के नायक से अलग है। फिल्म में सलमान खान नायक की भूमिका में हैं और इसमें कैटरीना कैफ ने भी अहम किरदार निभाया है। हाशमी ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आपको निर्देशक के नजरिए के बारे में स्पष्ट होना चाहिए। आप किरदार की बारीकियों को समझें। उस किरदार को अपनी कहानी का नायक समझें और उसे उसी तरह निभाएं। उन्होंने कहा, फिल्म में मेरा किरदार खलनायक का नहीं बल्कि नायक से अलग एक व्यक्ति का है। मैं अपनी कहानी का नायक था, इसलिए मुझे उस किरदार को उसी नजरिए से निभाना था। इमरान हाशमी मर्डर, गैंगस्टर, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई और चेहरे जैसी फिल्मों में भी नकारात्मक किरदार निभा चुके हैं।

बॉलीवुड में काम नहीं मिलने पर छलका महिमा का दर्द

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने टीवी शो सपने सुहाने लड़कपन के से लोकप्रियता हासिल की, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ आयुष शर्मा अभिनीत फिल्म अंतिम से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि, सलमान खान के साथ काम करने पर भी उनके करियर का ग्राफ नहीं बढ़ा। अब हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर के बारे में बात की है। हाल ही में दिए इंटरव्यू में महिमा मकवाना ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अंतिम में सलमान खान के साथ काम करने के बाद भी उन्हें काम नहीं मिला। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने इस बारे में कैमरे पर कभी बात नहीं की, लेकिन उनके किरदार पर किसी का ध्यान नहीं गया। लोग उनसे कहते हैं कि उन्होंने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है और उनके अभिनय की प्रशंसा भी करते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें काम नहीं मिला। इस बात पर उन्हें आश्चर्य होता है कि तारीफ के बाद भी उन्हें काम क्यों नहीं मिला। महिमा ने इंडस्ट्री में उपयोग हो रहे ब्रांड, मार्केटिंग और स्टार जैसे शब्दों के बारे में बात की, जो उनके लिए पूरी तरह से नई अवधारणाएं थीं। अपने टेलीविजन कार्यकाल के दौरान उनका ध्यान पूरी तरह से सेट पर दिखने और खुद को अभिनय के प्रति समर्पित करने पर केंद्रित था। काम के बाद वे आराम करने के लिए घर लौट आती थीं। नई मांगों के साथ बदलाव आया। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री के बड़े ब्रांड तक पहुंचा उनके लिए कठिन था।

23 नवम्बर को जारी होगा एनिमल का ट्रेलर

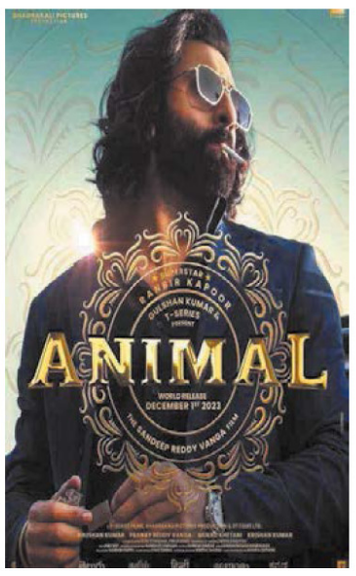

रणबीर कपूर की एनिमल साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के टीजर को लेकर पहले ही काफी बज बन गया है। रणबीर बिल्कुल अलग लुक में दिखे हैं। उनके अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी हैं। फैन्स ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज में अब ज्यादा दिन नहीं रह गए हैं। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने आखिरकार पोस्ट कर बताया कि फिल्म का ट्रेलर कब आएगा।

कब रिलीज होगा ट्रेलर

संदीप रेड्डी वांगा ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर खुलासा किया कि ट्रेलर किस दिन रिलीज होगा। उन्होंने रणबीर कपूर के साथ खुद की ब्लैक एंड फोटो शेयर की। फोटो के ऊपर ही लिखा है, 23 नवंबर को ट्रेलर। इसके साथ ही फैन्स काफी एक्साइटेड हो गए।

फैन्स ने क्या कहा

कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, वर्ल्ड कप फाइनल का दुख सिर्फ ये ट्रेलर ही मिटा सकता है। एक अन्य ने कहा, आप पर पूरा भरोसा है। एक यूजर कमेंट करते हैं, इंतजार है अन्ना, 23 के आने का।

कब रिलीज होगी फिल्म

एनिमल का टीजर रणबीर के जन्मदिन पर सितंबर महीने में आया था। फिल्म में अनिल कपूर ने रणबीर के पिता और रश्मिका ने पत्नी का रोल किया है। बॉबी देओल निगेटिव किरदार करते दिखेंगे। यह पहली बार है जब रणबीर और संदीप साथ में काम कर रहे है। संदीप ने इससे पहले शाहिद कपूर के साथ कबीर सिंह बनाई थी। फिल्म को भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी की सिने 1 स्टूडियोज और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर मिलकर प्रोड्यूस कर रही है। एनिमल 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वीर दास ने बेस्ट कॉमेडी का एमी अवॉर्ड जीतकर रचा इतिहास

51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में भारतीय कॉमेडियन-एक्टर वीर दास ने इतिहास रच दिया है। वीर दास को उनके शो वीर दास: लैंडिंग के लिए बेस्ट कॉमेडी का इंटरनेशन एमी अवॉर्ड मिला। वहीं एकता कपूर को इंटरनेशनल एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड मिला, जिसे पाकर वह भावुक हो गईं।

वीर दास ने रचा इतिहास, आलोचना के बाद करने वाले थे सुसाइड

वीर दास को जब इससे पहले एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला था, तो कॉमेडियन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि अमेरिका में किए गए शो में उन्होंने जो कविता बोली थी, उस पर जो आलोचना हुई, उसके कारण वह सुसाइड करने के बारे में सोचने लगे थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा था, जिस रात मुझे आतंकवादी कहा गया, उसी रात मैं एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हो गया।

सम्मान पाकर इमोशनल हो गईं एकता कपूर

पॉपुलर एक्टर और कॉमेडियन वीर दास ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने 51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में बेस्ट कॉमेडी के लिए अवॉर्ड जीता है। एमी अवॉर्ड्स में शेफाली शाह और जिम सर्भ को भी नॉमिनेशन मिला था, पर वो दोनों अवॉर्ड जीतने से चूक गए। वहीं वीर दास को उनके नेटफ्लिक्स स्पेशल शो वीर दास: लैंडिंग के लिए बेस्ट कॉमेडी का एमी अवॉर्ड मिला है।

जिम सर्भ और शेफाली शाह हारे एमी अवॉर्ड

वहीं जिम सर्भ और शेफाली शाह को इस बार एमी अवॉर्ड नहीं मिला। जिम सर्भ को वेब सीरीज रॉकेट बॉयज में होमी जे भाभा के रोल के लिए बेस्ट एक्टर कैटिगरी में नॉमिनेशन मिला था। पर वह यह अवॉर्ड एक्टर मार्टिन फ्रीमैन के हाथों हार गए। वहीं शेफाली शाह को वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 2 में डीसीपी वर्तिका चौहान के किरदार के लिए बेस्ट एक्ट्रेस कैटिगरी में नॉमिनेशन मिला था। एक्ट्रेस बेहद खुश थीं। पर वह इस बार अवॉर्ड नहीं जीत पाईं। बेस्ट एक्ट्रेस का एमी अवॉर्ड डाइव के लिए मेक्सिकन एक्ट्रेस कार्ला सूजा को मिला।

कार्ला सूजा को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड, दिल्ली क्राइम के लिए चूक गईं शेफाली शाह

51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स अभी शुरू हुए हैं और एक्ट्रेस कार्ला सूजा ने मैक्सिकन सीरीज ला कैडा के लिए अवॉर्ड जीत लिया है। उन्हें भारत की शेफाली शाह सहित कई लोगों के साथ नॉमिनेट किया गया था। शेफाली को दिल्ली क्राइम सीज़न 2 के लिए नॉमिनेशन मिली थी। विनर की घोषणा करते हुए, इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 के आधिकारिक अकाउंट ने शेयर किया, ला कैडा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस, इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड कार्ला सूजा को जाता है। बेस्ट एक्ट्रेस की लिस्ट में नॉमिनेटेड सेलेब्स में डेनिश सीरीज ड्रोमेरेन के लिए कोनी नीलसन और ब्रिटिश शो आई हेट सुजी टू के लिए बिली पाइपर, ला कैडा के लिए कार्ला सूजा थे। जबकि शेफाली अपने शो के दूसरे सीज़न दिल्ली क्राइम 2 के लिए अपना पहला एमी हार गईं। यह भारत के लिए पहला इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड था।

दिल्ली क्राइम 2 के बारे में

दिल्ली क्राइम 2 का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है। इसमें शेफाली शाह ने लीड एक्ट्रेस डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी का रोल प्ले किया था। उनके साथ राजेश तिलंग और रसिका दुग्गल भी थे। शेफाली ने इस इवेंट में एक सुंदर साड़ी पहनी थी। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल रखा और बिंदी के साथ पूरा किया।

शेफाली को हां कहने में बस 5 मिनट लगे

शेफाली ने इवेंट से पहले एएनआई को बताया, मैं बहुत एक्साइटेड हूं, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत बड़ी बात है। जब रिची मेहता ने पहली बार स्क्रिप्ट सुनाई तो मुझे हां कहने में सिर्फ 5 मिनट लगे। उन्होंने मुझे बताया कि निर्भया मामले की जांच कैसे आगे बढ़ी। और, 5 मिनट से भी कम में, मैंने कहा कि मैं यह करना चाहती हूं। यह मेरे दिल से निकला फैसला था। मैंने इस पर ज्यादा सोचा ही नहीं।

सिनेमाघरों में तहलका मचाने के बाद लियो अब नेटफ्लिक्स पर

तमिल सिनेमा के ख्यातनाम अभिनेता थलापति विजय की हालिया प्रदर्शित और ब्लॉक बस्टर रही फिल्म लियो आगामी सप्ताह ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म वैश्विक स्तर पर 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। अभिनेता विजय की तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'लियो' 24 नवंबर से भारत में तथा 28 नवंबर से वैश्विक स्तर पर 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की जाएगी। 'नेटफ्लिक्स' की दक्षिण भारत शाखा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। हमारे पास आपके लिए अच्छी खबर है। क्या आप तैयार हैं? 'लियो' 24 नवंबर को भारत में और 28 नवंबर को दुनिया भर में तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर आ रही है।'' लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने घरेलू तथा वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। 'लियो' 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म है। फिल्म में तृषा, संजय दत्त, अर्जुन सरजा, मंसूर अली खान, प्रिया आनंद और गौतम वासुदेव मेनन जैसे कलाकार हैं।

पाई खर्च किए बिना नोएडा प्राधिकरण ने 200 से अधिक टॉयलेट बनाए

केन्द्रीय आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय ने नोएडा की पहल को सराहा

नोएडा (चेतना मंच)। केन्द्र सरकार ने नोएडा प्राधिकरण द्वारा दमड़ी खर्च किए बिना सर्वाधिक टॉयलेट बनाने तथा उनका निरंतर अनुरक्षण करने के कार्यय को सराहा।

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत विश्व टॉयलेट दिवस पर केन्द्रीय आवासन तथा शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा चेन्नई में दो दिवसीय नेशनल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप आयोजित किया गया जिसमें नोएडा प्राधिकरण के प्रतिनिधि के तौर पर वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल ने अपने विचार रखे तथा इस मुद्दे पर अपना प्रस्तुतिकरण किया।

श्री बंसल ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण ने एक पैसे खर्च किए बिना देश में सर्वाधिक टॉयलेट बनाकर संचालित कर रहा है। जिनमें 120 यूरिनल ब्लॉक, 117 पब्लिक टॉयलेट, 67 कम्युनिटी टॉयलेट तथा 16 पिंक टॉयलेट सम्मिलित हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण के अन्तर्गत नोएडा को ODF++ सर्टिफ़ाई करने में इन टॉयलेट के निर्माण का बहुत बड़ा योगदान रहा है ।

टॉयलेट के निर्माण व संचालन का यह मॉडल अपने आप में अनूठा है जहां शौचालय के निर्माण में कोई सरकारी व्यय नहीं किया गया है और न ही इनके संचालन या अनुरक्षण के लिए इन टॉयलेट का प्रयोग करने वालों से शुल्क लिया जाता है। शौचालय बनाने वाली संस्था एडवर्टिजमेंट की राशि से शौचालय के संचालन तथा अनुरक्षण करती है। यह मॉडल पूरे देश में रोल मॉडल बनकर उभरा है। जिसकी केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रशंसा की है तथा अन्य शहरों को भी प्राधिकरण के अनुभव से लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया है।

'नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाएं आरडब्ल्यूए'

जिलाधिकारी ने सभी आरडब्ल्यूए से किया आह्वान

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी ने आरडब्ल्यूए व सोसायटस के एओए को कहाकि सभी नशे के विरूद्ध अपने क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं तथा प्रशासन की मदद लें।

जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर पूर्णत: अंकुश लगाने एवं युवा पीढ़ी को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नार्को कोर्डिनेशन मैनेजमेंट के तहत गठित जिला स्तरीय समिति व आर.डब्लू.ए. के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।जिलाधिकारी ने बैठक में आर.डब्लू.ए. के पदाधिकारियों से कहा कि जनपद में नशे के अवैध कारोबार एवं युवा पीढ़ी को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के लिए आरडब्ल्यूए सोसाइटी में नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाएं और अधिक से

अधिक लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें। साथ ही यह भी कहा कि आप सभी अपनी सोसाइटी में निरंतर मॉनिटरिंग करें और यदि कोई भी व्यक्ति नशे के अवैध कारोबार में लिप्त हो तो उसकी सूचना टोल फ्री नंबर 8882120733 या

संबंधित विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध करायें। आपकी पहचान गोपनीय रखते हुए संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जन सामान्य एवं छात्रों को नशे के विरुद्ध जागरुक करते हुए नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराए जाने के लिए समस्त विभागों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार तथा अभियान चलाकर प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित करें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, इंटेलिजेंस ऑफीसर एनसीबी पूर्णिमा, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चंद, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से डॉक्टर श्वेता सिंह, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं आर.डब्लू.ए. के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्राधिकरण का घूसखोर लेखपाल हुआ सस्पेंड

भारतीय किसान यूनियन मंच की हुई जीत : अशोक चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में घूसखोरी से आजिज किसानों ने हंगामा कर दिया। प्राधिकरण के घूसखोर लेखपाल के खिलाफ किसानों ने जबरदस्त हल्ला बोल दिया था। किसानों ने नोएडा प्राधिकरण पर लेखपाल के खिलाफ प्रदर्शन किया था और स्वागत कक्ष को बंद करके धरने पर बैठ गए थे। अब प्राधिकरण से बड़ी खबर ये है कि जाँच में आरोप सही पाए जाने पर लेखपाल को निलम्बित कर दिया गया है।

प्राधिकरण में लेखपाल की घूसखोरी से किसान तंग आ गए थे और उन्होंने किसानों ने प्राधिकरण के सीईओ से लेखपाल को निलंबित करने की मांग के साथ धरना दे दिया था। जाँच के बाद लेखपाल पर लगे आरोप सही पाए गए और लेखपाल को निलम्बित किया गया है।

किसानों का आरोप था कि नोएडा प्राधिकरण के लेखपाल मनोज सिंघल से 50 हज़ार की रिश्वत ली थी। पैसे देते हुए किसान ने वीडियो भी बनाया था, सोशल मीडिया पर यह वीडियो काफी वायरल हुआ था। लेकिन लेखपाल का बाल भी अभी तक बांका नहीं हुआ था।

किसान नेता अशोक चौहान ने कहा कि हम इस फ़ैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस फ़ैसले से साफ़ हो गया है कि अभी लोकतंत्र ज़िंदा है। यह पूरे संगठन की जीत है।

नोएडा के बच्चों ने बिखेरे इन्द्रधनुष के रंग, खूब सराहे गए प्रतिभावान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक संगठन नोएडा लोक मंच ने नोएडा प्राधिकरण, रोटरी क्लब दिल्ली तथा ओखला सिटी नोएडा हॉट के सहयोग से 'इंद्रधनुष' नाम से एक भव्य 'चित्रकारी' प्रतियोगिता का आयोजन किया। नोएडा शहर के इस आयोजन में नोएडा के अनेक विद्यालयों से लगभग 1500 से अधिक छात्रों ने कैनवास पर अपने इंद्रधनुषी रंग बिखेरे। कार्यक्रम में मुख्य विषय पर्यावरण, मेरा प्रिय वाहन, चंद्रयान, मेरा प्रिय त्यौहार, मेरा प्रिय सुपरहीरो आदि रहे।

नोएडा के सेक्टर 33, नोएडा हॉट में आयोजित इस प्रतियोगिता में असीम कल्पना और कलात्मक प्रतिभा का नजारा देखा गया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने रंगों के माध्यम से नोएडा हाट को सपनों के कैनवास में बदल दिया। निर्णायकों ने विशेषज्ञता का इस्तेमाल करते हुए न केवल कलाकृतियों का मूल्यांकन किया, बल्कि इन उभरते कलाकारों को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। इस अविस्मरणीय कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की रचनात्मकता पर प्रतिक्रिया पूरे हॉल में गूंजती रही।

इस अवसर पर राज्यसभा के पूर्व महासचिव एवं वर्तमान में गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. योगेंद्र नारायण, नोएडा लोक मंच के अध्यक्ष तथा भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट सचिव प्रभात कुमार एवं महासचिव महेश सक्सेना, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी आनंद मोहन, मुकेश शर्मा, आईटीई ग्रुप के निदेशक और श्रीमती रंजना चिटकारा, नोएडा हाट की मुख्य प्रबंधक मौजूद रही।

स्नेह मोहन, श्रीमती वजीदा खान, रूप नारायण बाठम, अनिल सिन्हा, कर्णल करमजीत, आसिफ, डॉ. अनुराधा महापात्र, श्रीमती निशु मित्तल, श्रीमती श्वेता सिंह, सौम्य श्रीवास्तव, ग्रेटर नोएडा के सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रीमती सुर्भि श्रीवास्तव, अमित मोहन आईएएस, क्लब के असिस्टेंट गवर्नर अलोक वार्ष्णेय एवं सुरेश बंसल ने निर्णायक की भूमिका निभाई तथा विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया।

बेजुबानों व बेसहारा के लिए साबित हो रहे हैं 'सहारा'

नोएडा (चेतना मंच)।

वृक्ष कबहुं न फल भखैं ।
नदी न संचय नीर,
परमारथ के कारणे,
साधु धरा शरीर ।।

प्रख्यात सूफी संत कबीरदास के यह दोहे ऐसे मनुष्यों पर सटीक बैठते हैं जिन्हें देखकर लगता है कि भगवान ने उनको इस पृथ्वी पर बेजुबानों तथा बेसहारा को सहारा देने के लिए भेजा है। मोह, माया तथा भौतिक सुखों के पीछे इस भागती-दौड़ती दुनिया में भला जिसके पास वक्त व चाह है जो दूसरों के लिए यानी परमार्थ के कार्य करें। लेकिन अभी भी चंद ऐसे लोग हैं जो परमार्थ का कार्य कर रहे हैं।

चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर-22 गांव के निवासी समाजसेवी पं. कालीदास शर्मा ऐसे ही चंद लोगों में से एक हैं जो काफी समय से नि:स्वार्थ भाव से पशु, पक्षियों, कुत्तों जैसे बेजुबानों तथा बेसहारों की सेवा कर रहे हैं।

सर्दी, गर्मी या बरसात हो वे रोजाना सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं को चारा तथा हरी सब्जी व अन्य खाद्य सामग्री खिलाते हैं। वहीं रोजाना पार्कों पर जाकर कबूतरों तथा अन्य पक्षियों को दाना डालते हैं तथा उनके पीने के पानी की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने सेक्टर-12 के एन ब्लॉक मार्केट में मवेशी के पीने के लिए एक टैंक भी बनवा दिया जिसे वे सुबह शाम स्वयं साफकरते हैं तथा ताजा पानी भरते हैं।

इसी तरह वे आवारा कुत्तों को खाना खिलाने, उनकी देखरेख तथा उनके इलाज के लिए हमेशा लगे रहते हैं। अपने पैसे से वे बीमार व घायल कुत्तों के लिए दवाईयां खरीदकर उन्हें लगाते हैं। उनका जानवरों के प्रति प्रेम का यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चल रहा है।उनका कहना है कि अपने लिये तो दुनिया जीती है, लेकिन दूसरों की सेवा करो तो इससे न दूसरों खासकर बेजुबानों व बेसहारों का कल्याण होता है बल्कि आत्मिक तृप्ति भी सुख भी मिलता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हम सभी को कालीदास शर्मा से प्रेरणा लेनी चाहिए।